mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-337 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
08 दिसंबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आगरा-मुंबई हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन ने चीते को कुचला

ग्वालियर, एजेंसी। आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे (शिवपुरी लिंक रोड) पर घाटीगांव सिमरिया मोड़ पर कूनो से भागे दो चीतों में से एक चीता की मौत हो गई है। जंगल से निकलकर जब सड़क पर चीता आया तो तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। दूसरे चीते की तलाश की जा रही है। घटना रविवार सुबह 5 से 6 बजे के बीच की है। सूचना मिलते ही घाटीगांव थाना पुलिस और वन विभाग के अफसरों ने घटनास्थल को निगरानी में ले लिया है। कूनो के अफसर भी स्पॉट पर पहुंच गए हैं। चीते के शव को कूनो पहुंचाया जा रहा है, जहां, एक्सपर्ट्स का पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। सैटेलाइट कॉलर आईडी से लगातार चीतों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही सड़क हादसा हुआ अफसरों को सूचना मिल गई है। घटनास्थल पर काफी भीड़ थी, लेकिन वन विभाग के अफसरों ने पुलिस तक को पास नहीं आने दिया। पूरी कार्रवाई वन विभाग के अफसर कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मृत चीते का नाम KG-3 (मादा) है। इसका जन्म कूनो नेशनल पार्क में ही हुआ था। यह गामिनी का शावक बताया जा रहा है।

रूस को खतरा नहीं कहेगा अमेरिका,नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी में बदलाव

ट्रम्प बोले- यूरोप का वजूद खत्म हो रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ट्रम्प प्रशासन ने अपनी नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी (NSS) में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अमेरिका अब रूस को 'खतरा' नहीं कहेगा। यह ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीति पर आधारित है। रूसी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने समाचार एजेंसी TASS को बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार को 29 पन्नों का एक दस्तावेज जारी किया। अब अमेरिका रूस के लिए 'डायरेक्ट थ्रेट' और दुश्मन कहने वाली भाषा का इस्तेमाल नहीं करेगा। रूस ने इस बदलाव का स्वागत किया है। क्रीमिया को 2014 में रूस में मिलाने और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण हमले के बाद से अमेरिका रूस को बड़ा खतरा मानता रहा है। अब नई नीति में रूस के तरफ नरमी बरती गई है और कुछ मुद्दों पर सहयोग करने की बात कही गई है। वहीं ट्रम्प प्रशासन ने यूरोप की आलोचना करते हुए कहा कि उसका वजूद खत्म हो रहा है।

एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय120 आतंकी भारत में घुसने की तैयारी में

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। LoC के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार LoC की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं।

अंतिम संस्कार नहीं किया तो होगी 5 साल की जेल, हॉस्पिटल जबरन नहीं रख सकेंगे लाश

हंगामा करने वालों को भी मिलेगी सजा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में अब डेड बॉडी रखकर विरोध प्रदर्शन करने, लाश पर राजनीति करने और बिना वजह अंतिम संस्कार नहीं करने पर एक साल से लेकर 5 साल तक की जेल और जुर्माना होगा।

परिजनों को डेड बॉडी लेनी ही होगी, अगर परिजन विरोध प्रदर्शन के लिए डेड बॉडी देते हैं तो उन्हें भी एक साल की सजा होगी। पिछली गहलोत सरकार के समय बने राजस्थान मृतक शरीर के सम्मान अधिनियम के नियम लागू हो गए हैं। नियमों के नोटिफिकेशन के बाद अब इसके प्रावधानों के तहत कार्रवाई आसान हो गई है। इस कानून के दायरे में परिजनों से लेकर नेता भी आएंगे। 24 घंटे में डेड बॉडी का अंतिम संस्कार करना होगा। ऐसा नहीं करने पर पुलिस डेड बॉडी को कब्जे में लेकर अंतिम संस्कार करवा सकेगी।

2023 से लागू है कानून, नियम अब बने

पिछली गहलोत सरकार के समय 20 जुलाई 2023 को विधानसभा में इसका बिल पारित हुआ था। इसके बाद 17 अगस्त 2023 को राज्यपाल की मंजूरी के बाद 18 अगस्त 2023 से कानून प्रभावी हो गया था, लेकिन इसके नियम नहीं बने थे। नियम नहीं होने से पुलिस को कार्रवाई करने में परेशानी आ रही थी, इस वजह से अब तक इस कानून का इस्तेमाल भी नहीं हो पाया

एक से 5 साल तक की सजा हो सकती है

परिजन डेड बॉडी लेने से मना करते हैं तो उन्हें एक साल की सजा हो सकती है। मृतक के परिवार का सदस्य अगर डेड बॉडी का इस्तेमाल विरोध के लिए करता है या किसी को ऐसा करने की अनुमति देता है, तो उसे 2 साल तक की सजा हो सकती है।

गोवा के नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट: 25 मौतें,क्लब का मैनेजर गिरफ्तार; 4 टूरिस्ट समेत 18 लोगों के शवों की पहचान की गई

- सरपंच बोले- लब अवैध, तोड़ने का नोटिस दिया था
- सीएम सावंत ने गोवा नाइट लब अग्निकांड की जांच के दिए आदेश

पणजी, एजेंसी। गोवा के अरपोरा इलाके में स्थित नाइट क्लब 'Birch By Romeo Lane' में शनिवार रात आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग डांस फ्लोर से शुरू हुई।

हादसे के समय क्लब में करीब 100 लोग मौजूद थे और Bollywood Banger Night चल रही थी। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें बेली डांसर महबूबा-ओ-महबूबा पर डांस करते दिख रही है।

इस दौरान क्लब की छत से कांच के बड़े टुकड़े टूटकर नीचे गिरने लगे। कुछ ही सेकंड बाद आग की तेज लपटें दिखाई देने लगीं। लपटें देख लोग घबरा गए और महिला डांसर ने भी तुरंत डांस रोक दिया। जांच में सामने आया है कि क्लब की एंट्री संकरी होने के चलते फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकी। वहीं, अरपोरा-नगुआ गांव के सरपंच का कहना है कि क्लब अवैध था, इसे तोड़ने का नोटिस भी दिया था।

संकरी एंट्री-एग्जिट से फायर ब्रिगेड क्लब खुद को आइलैंड क्लब बताता है। यह अरपोरा नदी के बैकवाटर में बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक क्लब में एंट्री और एग्जिट के रास्ते संकरे है। इसके चलते आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड क्लब तक नहीं पहुंच पाई और उन्हें 400 मीटर दूर पार्क करना पड़ा। इससे बचाव कार्य में काफी देरी हुई।

अधिकारियों के मुताबिक अधिकतर मौतें धुएं और दम घुटने से हुईं।

अवैध निर्माण की हुई थी शिकायत

अरपोरा नागोवा के सरपंच रोशन रेडकर का कहना है नाइट क्लब का निर्माण अवैध था और इसके खिलाफ शिकायत भी हुई थी, जब हमने इसकी जांच कराई तो पता चला कि नाइट क्लब निर्माण के लिए कोई लाइसेंस नहीं मिला था। इसके बाद हमने नाइट क्लब को गिराने का आदेश दिया, लेकिन इस आदेश को स्टे कर दिया गया। सरपंच ने बताया कि पंचायत निदेशालय ने पंचायत के आदेश पर रोक लगाई थी। साथ ही उन्होंने बताया कि क्लब के मालिकों और जमीन के मालिकों में भी मतभेद थे, जिसके चलते भी इस क्लब की शिकायत हुई थी।

सीएम सावंत बोले- जिमेदारों पर एशन लेंगे

सीएम सावंत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज का दिन गोवा के लिए बहुत दुखद है। अरपोरा में लगी भीषण आग में 23 लोगों की मौत हो गई। मैं बेहद दुखी हूं और इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे और इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने बताया- जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आग कैसे लगी और क्या वहां फायर सेफ्टी और बिल्डिंग के नियमों का सही तरह पालन किया गया था या नहीं। जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर आज सुनवाई

पत्नी ने दायर की है अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। जेल में बंद पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर यह सुनवाई होगी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी गई है और इसे गैर-कानूनी और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है।

24 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने टाल दी थी सुनवाई : इससे पहले 29 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट ने अंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। हालांकि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अंगमो द्वारा दायर याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ समय मांगा था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 24 नवंबर को इस मामले पर सुनवाई को टाल दिया था। सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका में कहा गया है, सोनम वांगचुक को पुरानी एफआईआर, अस्पष्ट आरोपों और अंदाजों के आधार पर हिरासत में रखा गया है। इसलिए इसका कोई कानूनी वजह नहीं है।

याचिका में वांगचुक की हिरासत को दी गई चुनौती

याचिका में कहा गया, रोकथाम की शक्तियों का इस तरह मनमाना इस्तेमाल अधिकारों का उल्लंघन है, जो संवैधानिक आजादी पर चोट करता है। याचिका में सोनम वांगचुक की हिरासत को रद्द करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि यह पूरी तरह से बेतुका है कि लद्दाख और पूरे भारत में शिक्षा, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में अपने योगदान के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने के बाद वांगचुक को अचानक निशाना बनाया गया। अंगमो ने कहा कि 24 सितंबर को लेह में हुई दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा की घटनाओं को किसी भी तरह से वांगचुक के कामों या बयानों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अंगमो ने कहा कि वांगचुक ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल के ज़रिए हिंसा की निंदा की और साफ तौर पर कहा कि हिंसा से लद्दाख की तपस्या और पांच साल की शांतिपूर्ण कोशिश नाकाम हो जाएगी। वांगचुक ने हिंसा को लेकर कहा, यह उनकी ज़िंदगी का सबसे दुखद दिन था।

कार की ट्रेलर से आमने-सामने टक्कर, 5 दोस्तों की मौत

जशपुर में मेला देखकर घर लौट रहे थे, सभी एक ही गांव के रहने वाले

जशपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में भीषण सड़क हादसे में 5 दोस्तों की मौत हो गई। हादसा 6 दिसंबर शनिवार की रात NH-43 पतराटोली के पास हुआ। मनोरा थाना क्षेत्र के मेले से लौट रही आई-20 कार और सामने से आ रहे ट्रेलर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी टक्कर इतनी खतरनाक थी कि कार सवार सभी 5 युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के ढेर में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। घटना दुलदुला थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक सभी युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखकर घर लौट रहे थे। कार्यक्रम से घर पहुंचने की जल्दी में कार की रफ्तार काफी तेज थी। पतराटोली के पास अचानक सामने ट्रेलर को देखकर ड्राइवर नियंत्रण नहीं रख पाया और सीधी भिड़ंत हो गई।

टक्कर होते ही हुआ धमाका

टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ और कार सड़क किनारे घिसटती चली गई। आसपास के ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे, लेकिन वाहन के अंदर फंसे सभी युवक मृत पाए गए। सूचना मिलते ही दुलदुला थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

इंडिगो संकट: छठे दिन 650+ फ्लाइट कैंसिल, पैसा रिफंड करने के निर्देश

सरकार ने पूछा- बताएं आप पर एशन यों न हो ?

नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, एजेंसी। पिछले 5 दिन से चल रहे इंडिगो संकट के कारण शनिवार को भी 800 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। छठे दिन भी यह सिलसिला जारी है। हालांकि इंडिगो ने दावा किया है कि उसने 95% रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि 138 में से 135 डेस्टिनेशंस पर फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। हमें लोगों का भरोसा दोबारा जीतने के लिए काफी वक्त लगेगा।

इधर, रविवार को भी इंडिगो की 650 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं।

इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को लगभग 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं।

सरकार सख्त- इंडिगो संकट पर जारी किए आदेश- निर्देश : कंपनी को पैसे रिफंड करने और कैंसिल या रुकी हुई फ्लाइट्स के लिए पूरा रिफंड प्रोसेस 7 दिसंबर को रात 8 बजे तक पूरा करने को कहा था। अगले 48 घंटों में पैसेंजर के बैगेज को ट्रेस करके डिलीवर करना होगा। कंपनी के CEO को 24 घंटे में बताना होगा कि पिछले 5 दिन से जारी संकट के चलते कंपनी पर एक्शन क्यों न लिया जाए। जवाब न देने पर DGCA एकतरफा फैसला ले सकेगा। बाकी एयरलाइंस के बढ़ते किराए पर रोक लगाई। हवाई करिया फिक्स किया। अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपए, 500-1000 किमी तक 12 हजार रुपए से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी।

एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18 हजार रुपए तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

भारत लौटी सुनाली बोली- बांग्लादेश में दो महीने भूखे-प्यासे भटके

बीएसएफ ने आंख पर पट्टी बांधकर भेजा, बोले- पीछे मुड़े तो गोली मार देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। यदि पुलिस घर आए और कहे कि आप बांग्लादेशी हैं। सामान समेटिए, आपको बांग्लादेश डिपोर्ट कर रहे हैं। अपने बचाव में आप आधार, राशन कार्ड दिखाएं, लेकिन पुलिस एक न सुने और आंख पर पट्टी बांधकर सीधे बांग्लादेश बॉर्डर भेज दे। ऐसा फरमान किसी की भी जिंदगी को पलभर में उजाड़ देगा। 26 साल की सुनाली खातून की जिंदगी ऐसे ही एक फरमान ने नरक बना दी थी। गर्भवती खातून के साथ उसके 8 साल के बेटे ने भी इस नरक को भोगा। शुक्र है कि 3 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर सुनाली को भारत लाने का आदेश दिया। सुनाली अब पश्चिम बंगाल में हैं। कुपोषण का इलाज करा रही हैं।

BSF ने बांग्लादेश में धकेला, हम वहां दो महीने भूखे-प्यासे भटके : पुलिस ने सुनाली, पति दानिश, बेटे साबिर, स्वीटी बीबी और उनके दो बेटों को 18 जून को दिल्ली के रोहिणी इलाके से उठाया था। पुलिस उस वक्त गृह मंत्रालय के आदेश पर बांग्लादेशियों को पकड़ रही थी। लेकिन, पुलिस ने मंत्रालय का सर्कुलर ठीक से पढ़ा ही नहीं था। सुनाली कबाड़ बीनती है।

उसने पुलिस को आधार, वोटर आईडी दिखाए। 1952 के जमीन के कागजात और साबिर का जन्म प्रमाण पत्र दिखाया था। लेकिन, किसी ने गुहार नहीं सुनी। पुलिस ने सुनाली, साबिर, स्वीटी बीबी और तीन अन्य सदस्यों को गृह मंत्रालय की टीम को सौंपा था।

सुप्रीम कोर्ट ने वापस लाने का आदेश दिया था

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा था कि वह नौ महीने की गर्भवती सुनाली खातून और उसके 8 साल के बच्चे को बांग्लादेश से वापस लाए। अदालत ने कहा था कि कानून को कभी-कभी इंसानियत के आगे झुकना होता है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया था- सरकार सोनाली और उनके बेटे को भारत आने देगी। उन्होंने साफ किया कि यह अनुमति मानवीय आधार पर होगी । इससे नागरिकता से जुड़े मुद्दों पर सरकार का रुख प्रभावित नहीं होगा।

यहां से बीएसएफ की टीम सभी को प्लेन से पश्चिम बंगाल में मालदा जिले की महादी सीमा चौकी पर ले गई थी। बीएसएफ की एक टीम ने रात के अंधेरे में इनकी आंखों पर पट्टी बांधी और बांग्लादेश बॉर्डर की ओर धकेल दिया था। चेतावनी दी कि पीछे मुड़े तो गोली मार देंगे। सुनाली बेटे और गर्भ को लेकर बांग्लादेश में शारीरिक और मानसिक यातनाएं झेल रही थी। फिर बांग्लादेश पुलिस ने इन्हें भारतीय घुसपैठिया कहकर पासपोर्ट एक्ट और फॉरेनर्स एक्ट में गिरफ्तार किया, क्योंकि उनके पास भारतीय दस्तावेज थे। इन्हें चापैनवाबगंज की जिला जेल भेज दिया गया, जहां दो वक्त का खाना भी नहीं मिला। इससे सुनाली कुपोषण का शिकार हो गई थी।

हिमाचल में ठंड का प्रकोप तेज

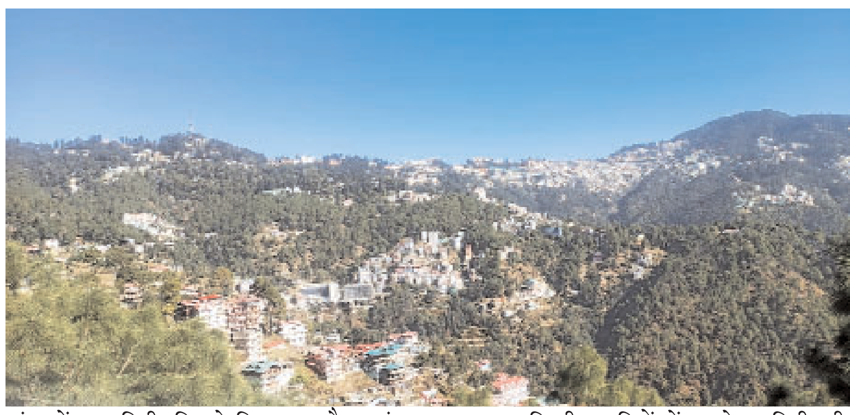

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश व बर्फबारी की संभावना ने लोगों में उम्मीद जगा दी है। प्रदेश में बीते एक माह से सूखा पड़ा है और मौसम में किसी बड़े बदलाव का इंतजार हो रहा है। रविवार 7 दिसंबर को कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि ऊंचे क्षेत्रों में तापमान शून्य के आसपास पहुंच गया।

प्रदेश में सबसे कम तापमान लाहौल स्पीति जिला के कुकुमसेरी में -5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि ताबो का तापमान -2.7 डिग्री रहा। लाहौल-स्पीति के बाद सबसे अधिक सर्दी का असर किन्नौर जिला के कल्पा में रही, जहां न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

इसके अलावा कुल्लु जिला के भुंतर में 3.6 डिग्री, निचले जिला हमीरपुर में 4.0, मंडी में 4.1, सराहन में 4.6, बरमौर 5.0, पालमपुर 5.5, कसौली 10.5, नेरी 10.5, पांवटा साहिब 9.0, नारकंडा 3.9, बजुआरा 3.8, सोलन 3.2, मनाली 3.7, कांगड़ा 6.6, बिलासपुर 7.6, ऊना 5.6, नाहन 10.0, धर्मशाला 7.8, जुब्बड़हट्टी 8.2, शिमला 8.5, कुफरी 6.5 और सुंदरनगर 3.1 डिग्री, रिकांगपिओ में 2.6 और देहरा गोपीपुर में 7.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में कहा है कि 8 दिसंबर को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश व बर्फबारी हो सकती है, जबकि शेष प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। न्यूनतम तापमान में अगले तीन-चार दिनों में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट हो सकती है।

वहीं अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। प्रदेश में आज कई इलाकों में दिनभर धूप खिली रही, शिमला के कई हिस्सों में अच्छी धूप निकलने से ठंड से हल्की राहत मिली, लेकिन शाम ढलते ही ठिठुरन तेज हो गई।

मौसम विभाग ने 8 और 9 दिसंबर को बिलासपुर के भाखड़ा बांध क्षेत्र और मंडी जिला के बल्ह घाटी में घने कोहरे का पीला अलर्ट जारी किया है और देर रात व सुबह के समय यात्रा में सतर्क रहने की सलाह दी है। 10 से 13 दिसंबर तक राज्य भर में मौसम के साफ रहने का अनुमान है।

बारिश-बर्फबारी के इंतजार में बैठे किसानों व बागवानों के लिए यह सिस्टम अहम माना जा रहा है क्योंकि लंबे सूखे से फसलों पर बुरा असर पड़ने लगा है और यदि अगले कुछ दिनों में प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया तो स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है। हिमाचल में फिलहाल मौसम में कड़ाके की सर्दी के साथ शुष्क ठंड का दौर जारी है और लोग आसमान की ओर उम्मीद भरी नजरें लगाए हैं कि जल्द ही पहाड़ों पर बर्फ की सफेद चादर बिछे और मैदानों में ठंडी बारिश राहत लेकर आए।

दांतन में पराली जलाने से लगी आग बड़ी मात्रा में धान जलकर नष्ट

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। प्रशासन की बार-बार चेतावनियों के बावजूद पोराली जलाने की प्रवृत्ति थम नहीं रही है। दांतन दो ब्लॉक के साउरी पंचायत के लालपुर क्षेत्र में पोराली से लगी आग ने एक किसान की साल भर की मेहनत को पलभर में राख में बदल दिया। आग की चपेट में आकर पन्द्रह बोरे धान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गये।

स्थानीय निवासी परिमल पयडा ने बताया कि खेत में ही धान झाडकर बोरो में भरकर रखा था। इसी बीच किसी ने आसपास पराली में आग लगा दी। हवा के साथ उठी लपटें खेत तक पहुंच गयीं और पूरी फसल को जला डाला। रविवार सुबह जब परिवार ने यह दृश्य देखा तो सभी की आंखें नम हो गयीं। घरवालों का कहना है कि साल भर की मेहनत जलकर खाक हो गयी, जिससे पूरा परिवार आहत और बेहद दुखी है।

प्रशासन की ओर से पराली जलाने पर प्रतिबंध और लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद यह प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण और सरकारी निर्देशों की अनदेखी करते हुए ऐसे मामलों में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को भी दांतन दो ब्लॉक के साबडा ग्राम पंचायत के बागगेडिया क्षेत्र में पोराली से उठी आग ने कई बीघा खेत की फसल को नुकसान पहुंचाया था, जिसे मेहनत कर पुलिस प्रशासन ने बुझाया था। इसी क्रम में गुरुवार को फिर ऐसी घटना सामने आयी है।

प्रशासन का कहना है कि लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, फिर भी ऐसी घटनाएं चिंता का विषय हैं। मामले में शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत दहेज व प्रताड़ना का आरोप

कौशाम्बी, एजेंसी। थाना सराय अकिल क्षेत्र के तरनी तरना के गडरियन का पुरवा में शिवकन्या देवी उम्र 23 वर्ष लगभग की शुक्रवार शाम संदिग्ध हालात में मौत हो गई है मायके पक्ष ने पति सोनू पटेल,ससुर जयकरन, देवर मोनू व सौरभ, तथा सास सुमित्रा देवी पर दहेज में 2 लाख व चारपहिया वाहन की मांग व प्रताड़ना का आरोप लगाया है मौत के पूर्व विवाहिता ने ससुराल में मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जाहिर कर अपने मायके में फोन करके जानकारी दी थी। मायके के लोगों का दावा है कि मारपीट कर विवाहिता की हत्या कर फांसी पर लटकाकर आत्महत्या का रूप दिया गया। मायके के लोगों ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी है सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है मौत के मामले में पुलिस की जांच जारी है थाना प्रभारी वीर प्रताप सिंह चौहान ने कहा है कि शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी मृतक महिला शिवकन्या देवी पुत्री राम हर्ष निवासी मारूफपुर थाना कोखराज की शादी 16 अप्रैल 2024 को हिंदू रीति रिवाज से हुई थी।

माही काण्ड में सात साल सजा काटकर आय युवक पर रंगदारी मांगने का आरोप

ललितपुर, एजेंसी। शहर क्षेत्र के डेम रोड आजादपुरा तृतीय पानी की टंकी के पास रहने वाले बालकिशन पुत्र घनश्याम ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह थाना जाखलौन के ग्राम नयागांव में कम्पोन्डर के रूप में मरहम पट्टी करने के जाता है। आरोप है कि नयागांव व हाल नरवलिया बिल्डिंग सूचना केन्द्र के पास रहने वाला दबंग व्यक्ति गजेन्द्र सिंह पुत्र सुखदयाल लोधी ने बीती 3 दिसम्बर को रात करीब साढ़े नौ बजे उसे रोक लिया और कहा कि नयागांव में मलहम पट्टी करने के लिए आओंगे तो प्रत्येक माह 10 हजार रुपये देने होंगे। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोप है कि गजेन्द्र सिंह ने उससे कहा कि वह बहुचर्चित माही काण्ड में सात साल की सजा काटकर बाहर निकला है। सात माह पहले उसने जल निगम के टेंकर के ट्रैक्टर चलाने वालों जो कि गांव के हैं को बुरी तरह से मारा-पीटा था। मामले की सूचना पीड़ित ने डायल 112 पर फोन लगाकर पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त के खिलाफ बीएनएस की धारा 308 (4), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट

गर्भवती पत्नी को भी पीटने का आरोप

ललितपुर, एजेंसी। महरौनी के ग्राम मिदरवाहा मजरा लक्ष्मनपुरा निवासी दिनेश पुत्र मठू अहिरवार ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 30 नवम्बर को शाम करीब 7 बजे वह अपनी मोटर साइकिल नं. यू.पी.94 एन. 0341 से अपने घर जा रहा था। वह संदीप की दुकान के पास पहुंचा ही था कि तभी पहले से मौजूद छोटू पुत्र मनोहरलाल कुशवाहा, हेमन्त पुत्र रामफल, काशी पुत्र मुलु कुशवाहा, रचपाल पुत्र कुशवाहा गांव के हैं। छोटू बीच रास्ते में लाठी लिये खड़ा था, उससे अलग हटने को कहा तो उसने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये अपमानित किया और गालियां दीं। आरोप है कि इनमें से किसी ने गाड़ी की चाबी निकाल ली, जिसके बारे में पूछने पर उक्त लोगों ने गालियां देते हुये मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि हमले में उसकी गर्भवती पत्नी विद्या, भाभी रामकुंवर बचाने आयी तो उनके साथ भी मारपीट की गयी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3) व एस.सी.एस.टी. एक्ट की धारा 3 (1)(द), 3 (1)(घ), 3 (2)(व्ही.ए.) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

पुत्र ने पिता समेत पूरे परिवार को पीटा

ललितपुर, एजेंसी। महरौनी के ग्राम बम्हौरी बहादुर सिंह में रहने वाले परमू अहिरवार पुत्र रमू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 5 दिसम्बर की सुबह करीब 8 बजे उसके पुत्र संतोष ने उसे व पूरे परिवार को गालियां देते हुये मारपीट कर दी। हमले के दौरान बचाव करने पर संतोष ने उसे अंगुली में काट लिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संतोष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप

ललितपुर, एजेंसी। थाना पाली क्षेत्रांतर्गत एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि 3 दिसम्बर को उसकी पुत्री जिला परिषद इण्टर कॉलेज में पढने के लिए गयी हुयी थी। काफी समय बाद वह लौटकर नहीं आयी। जानकारी करने पर पता चला कि उसकी पुत्री को ग्राम दैलवारा निवासी अजय कुशवाहा पुत्र कन्छेदीलाल उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अजय कुशवाहा के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगायी

ललितपुर, एजेंसी। कस्बा बिरधा में रहने वाले तीस वर्षीय नन्दू कुशवाहा पुत्र स्व.रामचरन कुशवाहा ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कच्छ में 150 फीट गहरे बोरवेल में गिरा युवक, 9 घंटे बाद मृत मिला

कच्छ, एजेंसी। गुजरात के कच्छ के भुज तालुका के कुकमा गांव के पास एक दर्दनाक घटना सामने आई है। किसान गोपालभाई की वाड़ी में बने खुले बोरवेल में गिरने से एक युवक की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मजदूर ने पारिवारिक विवाद के बाद जमीन से करीब 3 फीट ऊँचे बोरवेल में कूदकर जान देने की कोशिश की, ऐसी आशंका जताई जा रही है। देर रात करीब 3-30 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद युवक का शव बाहर निकाला गया। अब यह हादसा था या आत्महत्या, इसका सही कारण पोस्टमोर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। शनिवार (6 दिसंबर) को घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में गांववाले और आसपास के श्रमिक मौके पर पहुंच गए। तुरंत फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई और रेस्क्यू कार्य शुरू किया गया। पुलिस भी मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान में जुट गई, लेकिन युवक को जीवित नहीं बचाया जा सका। लगभग 9 घंटे यानी रात के 3.30 बजे तक के कठिन प्रयास के बाद उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। भुज फायर टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से लगभग 150 फीट गहराई में फंसे युवक तक पहुंचने की कोशिश की। भुज प्रांत अधिकारी तहसीलदार 108 एंबुलेंस और पुलिस का दल भी पूरे समय मौके पर मौजूद रहा। भुज प्रांत अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक ने घरेलू कलह के चलते बोरवेल में छलांग लगाई हो सकती है।

दासपुर में कृष्णमंदिर का ताला तोड़कर चोरी

मेदिनीपुर, एजेंसी। दासपुर-दो क्षेत्र के भुयरा ग्राम स्थित कृष्णमंदिर में देर रात चोरी की घटना सामने आयी है। रविवार भोर लगभग 5.30 बजे खेत की ओर जाते वक्त ग्रामवासियों ने देखा कि मंदिर का दरवाजा खुला हुआ है और सारा पूजन सामग्री बिखरा पडा हुआ है। इससे ग्रामीणों के मन में संदेह पैदा हुआ। ग्रामवासी जब करीब जाकर देखने लगे तो पाया कि मंदिर का ताला टूटा पडा है और भीतर अस्तव्यस्त स्थिति बनी हुई थी। तत्काल आसपास के लोग इकट्ठे हुए और जांच करने पर स्पष्ट हुआ कि रात में अज्ञात चोर मंदिर से दान की दो पेटियां, जिनमें क्रमश दस हजार और छ्र हजार रुपये रखे थे, चोरी कर ले गये। इसके अलावा कृष्ण मूर्ति की चांदी की बांसुरी और कुछ चांदी के गहने भी गायब मिले। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने इस चोरी की घटना पर नाराजगी जतायी है और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

महिला ने लगाई फंदे से लटक कर की आत्महत्या

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। दासपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीकुण्ड ग्राम में शनिवार देर रात एक 53 वर्षीय महिला काकोली मांझी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार, काकोली मांझी रात के समय घर के पास स्थित गौशाला में गई थीं। कुछ देर बाद परिजनों ने उन्हें फंदे से लटका पाया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मरणोत्तर परीक्षण के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता चल सकेगा। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की साजिश या बाहरी हस्तक्षेप के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, काकोली मांझी शांत स्वभाव की महिला थीं और उनके इस तरह के कदम से पूरा गांव स्तब्ध है। परिजन गहरे सदमे में हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दूषण की चादर में लिपटा खड़गपुर, अस्पताल के पास कूड़े का पहाड़—बढ़ रही गंभीर चिंता

खड़गपुर, एजेंसी। खड़गपुर शहर में वायु प्रदूषण लगातार भयावह रूप ले रहा है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं के कारण शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है, जो जनङ्कस्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है। इसी बीच खड़गपुर महकमा अस्पताल के समीप धोबीघाट इलाके में जमा हो रहे कूड़े के ढेर ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस कचरे से बदबू फैल रही है, और अक्सर कूड़े में आग लग जाती है या कोई आग लगा देता है। इसके कारण उठने वाला जहरीला धुआं वातावरण को ज्यादा प्रदूषित कर रहा है। लोगों का आरोप है कि इस धुएं से अस्पताल में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।

अस्पताल के सुपर गौतम माइती ने कहा कि यह भयंकर प्रदूषण हमारे मरीजों के लिए हानिकारक है। इस विषय में हम कई बार रेल और नगर पालिका को अवगत करा चुके हं।

यूएसएसआर के बंटवारे के बाद भी कैसे ताकतवर रहा रुस अमेरिका के अरमानों पर किस तरह फिरा पानी

लंउन, एजेंसी। दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया में दो ही ताकतें बची थी, अमेरिका और सोवियत संघ (यूएसएसआर)। लेकिन एक-दूसरे के पछाड़ने के लिए दोनों परमाणु हथियार बनाने लगे, जासूसी करने लगे, और देशों को अपने-अपने पाले में लाने में जुट गए। ये शीत युद्ध का दौर था। इसके खत्म होते-होते सोवियत संघ 15 आजाद देशों में बांटा। अब अमेरिका के सामने कमजोर प्रतिद्वंद्वी होना था, लेकिन बंटवारे के बाद भी रूस उस हद तक कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि यूएस को आंख दिखाता रहा। यूगोस्लाविया को ही लें, तब नब्बे के दौर में यह देश टूटकर 7 छोटे देशों में बंट गया। बंटवारे से पहले यूगोस्लाविया एक मजबूत सैन्य शक्ति था, जिसकी यूरोप में पूछ थी। लेकिन विभाजन के बाद सारे ही देशों की इकनॉमी सिकुड़ गई। गृह जंग चलने लगा और अंतरराष्टीय असर कई गुना कम हो गया। 35 साल से ज्यादा वक्त बाद भी टूटे हुए देशों की ताकत वैसी नहीं, जैसी यूगोस्लाविया की थी। लेकिन माना गया था कि सोवियत का बंटवारा भी यही करेगा। 15 हिस्सों में बड़े देश में रूस सबसे बड़ा था और यही विरासत संभाल रहा था। अमेरिका की नजर थी कि अब ये भी मुकाबले से जाएगा ।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव चार दिन की नेपाल यात्रा

काठमांडू,एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुनु महावर रविवार से नेपाल की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत सरकार की वित्तपोषित विभिन्न परियोजनाओं में हो रही प्रगति का निरीक्षण करना है। वे काठमांडू में चल रही चुनावी तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। सितंबर की शुरुआत में नेपाल में हुए जन-जी आंदोलन के बाद काठमांडू आने वाले वे सबसे वरिष्ठ भारतीय अधिकारी हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक वे मंगलवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, वित्त मंत्री रमेश्वर खनाल, वाणिज्य मंत्री अनिल सिन्हा, गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और मार्च में होने वाले चुनाव के लिए भारत के सहयोग और समर्थन पर चर्चा करेंगे।वे नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई से भी मुलाकात करके भारत समर्थित अनेक परियोजनाओं की स्थिति तथा समग्र नेपालङ्कभारत संबंधों पर बातचीत करेंगे।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय अतिरिक्त विदेश सचिव महावर सोमवार को लुंबिनी जाएंगे और भैरहवा में एकीकृत जांच चौकी का निरीक्षण करेंगे। वह लुंबिनी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके अलावा वे भारत के आर्थिक सहयोग से निर्माणाधीन अन्य परियोजनाओं जैसे हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की प्रगति का भी जायजा लेंगे। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य नेपाल में चुनाव तैयारियों की प्रगति को समझना और मार्च में होने वाले चुनाव के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देना है।

नेपाल सरकार ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से 5 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए भारत से 600 से अधिक प्रकार के वाहनों की मांग की है। भारतीय अधिकारियों ने नेपाली पक्ष को सूचित किया है ।

बलोचिस्तान में प्रतिबंधित संगठन बीआरए के 100 से ज्यादा विद्रोहियों का आत्मसमर्पण

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में आजादी की मांग कर रहे एक प्रतिबंधित संगठन के 100 से ज्यादा विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस संगठन का नाम बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) है। बीआरए राज्य में बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे अन्य समूहों के साथ मिलकर अलग राष्ट्र बनाने की मांग का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि हथियार डालने वालों में वरिष्ठ कमांडर भी शामिल है। इस घटचना को अशांत प्रांत में सुरक्षा और सुलह की कोशिश के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खात्मे के लिए जारी अभियान के तहत पांच दिसंबर को डेरा बुगती में पांच विद्रोहियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान की सेना का आरोप है कि टीटीपी को भारत मदद करता है। आईएसपीआर ने साफ किया है कि डेरा बुगती के सुई में आत्मसमर्पण करने वालों में बीआरए के ब्राहमदाग बुगती गुट के कमांडर वडेरा नूर अली चकरानी ने 100 से ज्यादा पूर्व आतंकवादियों के साथ अपने हथियार डाल दिए। इस समूह ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर बुगती ने आसपास के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों से हिंसा छोड़ने और राज्य की मुख्यधारा में लौटने की अपील की। सुई टाउन के चेयरमैन इज्जतुल्लाहअमन बुगती ने बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के नजरिए की तारीफ की। अधिकारियों का कहना है कि चक रानी जनजाति के सदस्यों को मुख्यधारा में लाना बीआरए के लिए मनोवैज्ञानिक झटका है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कमांडर और उन सभी लोगों को बधाई दी, जिन्होंने शांतिपूर्ण जीवन में लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि वडेरा नूर अली चकरानी और उनके 100 से अधिक साथियों का यह फैसला सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह एक साफ संदेश है कि राज्य ने बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं। इस बीच द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल एक बार फिर रद्द कर दिया गया है। दोनों ट्रेनों को जैकबाबाद पहुंचते ही रद्द किया गया।

महिला ने रोते हुए सासंद से की कलेक्टर की शिकायत

बोली- साहब कुछ नहीं कर रहे; एक्सीडेंट में पति की मौत हुई, एक साल से बच्चों की फीस नहीं भरी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत बैढ़न स्थित सांसद कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान सिंगरौली, देवसर, चितरंगी और माड़ा क्षेत्र से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में प्रभारी अपर कलेक्टर संजीव कुमार पांडे, नगर निगम के अधीक्षण यंत्री संतोष पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदर शाह, विकास प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे और सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा सहित कई अधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान आम जनता ने बिजली, पानी, शिक्षा, सड़क, मुआवज़ा और रोजगार से जुड़ी विभिन्न समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। टुसा खाड़ गांव से आई सोनमती शाह ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि उनके पति की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है, लेकिन कई बार कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन देने के बाद भी उन्हें कोई सहायता नहीं मिली है।

उन्होंने यह भी बताया कि एक साल से बच्चों की फीस जमा न होने के कारण स्कूल प्रबंधन उन्हें बाहर करने की धमकी दे रहा है। सोनमती शाह ने यह भी शिकायत की कि उनकी भूमि एनटीपीसी द्वारा अधिगृहित कर ली गई है, लेकिन परिवार के किसी सदस्य को अभी तक नौकरी नहीं मिली है।

महिला की समस्याओं को सुनकर सांसद डॉ. मिश्रा ने संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'लोकसभा सत्र समाप्त होते ही मैं सिंगरौली पहुंचा हूं। जनता जनार्दन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और समस्याओं के निराकरण में कोई कमी नहीं आने देंगे।' सांसद ने अधिकारियों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि रविवार होने के बावजूद अधिकारियों का मौजूद रहना हमारी संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सांसद ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक आवेदन पर अधिकारियों से फॉलो-अप लिया जाएगा और समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

एनसीईआरटी ने स्वीकारा 8वीं की किताब में गलत नक्शा, मराठा साम्राज्य के मानचित्र को एनएसयूआई नेता ने बताया गलत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एनसीईआरटी ने स्वीकार किया है कि उसकी कक्षा 8 की इतिहास पुस्तक में प्रकाशित 1759 के मराठा साम्राज्य का मानचित्र किसी प्रमाणित ऐतिहासिक स्रोत, विशेषज्ञ समिति या शैक्षणिक अनुमोदन पर आधारित नहीं है। यह खुलासा एनएसयूआई मध्य प्रदेश के प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार द्वारा दायर आरटीआई के जवाब में हुआ है। आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि मानचित्र तैयार करने के लिए कोई ऐतिहासिक विशेषज्ञ समिति गठित नहीं की गई थी। इसके निर्माण से संबंधित कोई बैठक का विवरण या मानचित्र के स्रोतों का रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं है। संस्था के पास जयपुर, रीवा, दिल्ली, पेशावर, कोलकाता, मैसूर और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों को मराठा साम्राज्य का हिस्सा दिखाने का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है।

इस मामले पर एनएसयूआई नेता विक्रांत सिंह परिहार ने कहा, 'इतिहास किसी राजनीतिक या सांस्कृतिक आग्रह का माध्यम नहीं बन सकता। बच्चों को गलत मानचित्रण के जरिए भटकाया जा रहा है।' उन्होंने यह भी बताया कि यह मुद्दा शिक्षा मंत्रालय, संसद की स्थायी समिति और राष्ट्रीय मीडिया के समक्ष उठाया जाएगा।

फुटपाथ की दुकान पर दो महिलाएं भिड़ीं, झूमाझटकी में गोद से गिरा मासूम बच्चा; लोग आधे घंटे तक देखते रहे तमाशा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर के पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में रविवार को फुटपाथ पर दुकान लगाने को लेकर दो महिलाओं के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि झूमाझटकी के दौरान एक महिला की गोद से मासूम बच्चा सड़क पर गिर पड़ा। गनीमत रही कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। इस घटना ने क्षेत्र की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोग करीब 30 मिनट तक तमाशबीन बने रहे। किसी ने भी विवाद शांत कराने या पुलिस को सूचना देने का प्रयास नहीं किया। इस हंगामे के कारण यातायात भी बाधित रहा। यह घटना रविवार दोपहर लगभग 3 बजे की बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पुराना बस स्टैंड क्षेत्र फुटपाथी दुकानदारों की अवैध गतिविधियों का केंद्र बन गया है। यहां ठेले, खोमचे और दुकानों के कब्जे को लेकर अक्सर विवाद होते रहते हैं। यह क्षेत्र यातायात थाना के ठीक सामने है, फिर भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है।

लोगों का कहना है कि फुटपाथ पर अवैध दुकानों और सड़क किनारे ठेले लगने से अक्सर जाम की स्थिति बनती है। कई बार मारपीट और झगड़े भी होते हैं, लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता के कारण स्थिति बिगड़ती जा रही है।

थाने में शिकायत नहीं पहुंची: इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि मारपीट को लेकर अभी तक थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत मिलने पर जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

मझौली नगर परिषद अध्यक्ष पद के उप-निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर नगर परिषद मझौली के अध्यक्ष पद के उप-निर्वाचन वर्ष 2025 (उत्तरार्द्ध) के निर्वाचन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति की है। जारी आदेश के अनुसार आर.पी. त्रिपाठी, उपखंड अधिकारी मझौली को रिटर्निंग ऑफिसर तथा राजेश पारस, प्रभारी तहसीलदार मड़वास को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, रिटर्निंग ऑफिसर के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे।

बाइक नदी में गिरी, युवक घायल

बकरियों के झुंड को बचाने की कोशिश में हादसा, युवक जिला अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के तिलवारी के पास रविवार सुबह एक सड़क हादसे में ग्राम मुड़हेरिया निवासी अनिल कुमार यादव (लगभग 30) घायल हो गए। उनकी बाइक बेकाबू होकर नदी में गिर गई। अनिल यादव अपनी बुआ के यहां निमंत्रण में शामिल होने सीधी जा रहे थे। सुबह करीब 7 बजे तिलवारी मोड़ के पास अचानक सड़क पर बकरियों का झुंड आ गया। झुंड को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक बेकाबू होकर पास की नदी में जा गिरी। हादसे में अनिल यादव के मुंह, हाथ, सीने और सिर पर गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस कर्मियों ने उन्हें प्राथमिक इलाज के लिए मझौली अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया।

ग्रामीण का कहना- अक्सर बकरियों का झुंड से हादसा: स्थानीय ग्रामीण संजय रावत ने बताया कि इस मार्ग पर सुबह-शाम किसान अपने मवेशियों और बकरियों के झुंड के साथ आते-जाते हैं। अक्सर बकरियों का झुंड सड़क पर फैल जाता है, जिससे ऐसे हादसों की आशंका बनी रहती है। रविवार सुबह भी इसी कारण यह हादसा हुआ। जिला अस्पताल में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि घायल युवक को गंभीर अवस्था में भर्ती किया गया है। उन्हें आंतरिक रक्तस्राव और मुंह पर गहरी चोटें आई हैं। मरीज को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। वह अभी बोलने की स्थिति में नहीं हैं।

गाय को ट्रैक्टर से घसीटने का वीडियों, लोगों में आक्रोश; आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में एक गाय को ट्रैक्टर से बांधकर सड़क पर घसीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना शिवपहड़ी कन्वेयर रोड के पास हुई। वीडियो में गाय को घसीटने के बाद सड़क किनारे फेंकते हुए भी देखा गया। इस घटना के बाद लोगों में भारी आक्रोश है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, इस अमानवीय कृत्य के संबंध में अब तक प्रशासन के पास कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। घटना में शामिल ट्रैक्टर चालक और अन्य व्यक्तियों की पहचान भी अभी तक नहीं हो पाई है।

गौ सेवा संस्थान के संचालक नरेश कुमार शाह ने इस घटना को निंदनीय बताया। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मामले का संज्ञान लेने, दोषियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

स्थानीय लोगों ने चिंता व्यक्त की है कि वीडियो वायरल होने के बावजूद अभी तक कोई आधिकारिक कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि यदि ऐसी घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो जिले में आवारा पशुओं और गौवंश संरक्षण की समस्या और गंभीर हो सकती है।

अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन और पुलिस पर टिकी हैं कि आरोपी कब तक कानून के दायरे में आएंगे और इस मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत उप-निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर पंचायतों के उप-निर्वाचन वर्ष 2025 (उत्तरार्द्ध) को सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने हेतु जनपद पंचायतों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किए हैं। जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत सीधी के लिए राकेश कुमार शुक्ला प्रभारी तहसीलदार गोपद बनास को रिटर्निंग ऑफिसर तथा एकता शुक्ला नायब तहसीलदार गोपद बनास को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सिहावल के लिए पीएस बंशल प्रभारी तहसीलदार सिहावल को रिटर्निंग ऑफिसर और दिनेश तिवारी नायब तहसीलदार सिहावल को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मझौली के लिए दिलीप सिंह तहसीलदार मझौली को रिटर्निंग ऑफिसर और वेदवती सिंह नायब तहसीलदार मझौली को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तथा कुसमी के लिए नारायण सिंह प्रभारी तहसीलदार कुसमी को रिटर्निंग ऑफिसर और अमित द्विवेदी नायब तहसीलदार कुसमी को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

13 दिसंबर को वर्ष की चौथी एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन

राजीनामा योग्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु विशेष अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 की चौथी एवं अन्तिम नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के प्रकरणों पर विशेष छूट: नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत दिनांक 13.12.2025 में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस, अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का अपसी समझौते से निस्तारण कर न्याय व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में सहयोग प्रदान करें। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना - पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ी पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहरी क्षेत्रों में फुटपाथ पर छोटे व्यवसाय करने वाले पथ विक्रेताओं के जीवनस्तर में सुधार और उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना संचालित की जा रही है। नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा इस योजना का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को इसका लाभ दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत पात्र पथ विक्रेताओं को चरणबद्ध रूप से बिना गारंटी के आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रथम चरण में 15 हजार रुपए, द्वितीय चरण में 25 हजार रुपए तथा तृतीय चरण में 50 हजार रुपए तक का ऋण प्रदान किया जाता है। यह राशि पथ विक्रेताओं के व्यवसाय को बढ़ाने, सामग्री खरीदने और आय के बेहतर साधन विकसित करने में सहायक साबित हो रही है। योजना की विशेषता यह है कि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कैशबैक की सुविधा भी दी जाती है।

गणित और विज्ञान ओलम्पियाड में 1406 विद्यार्थी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार और जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शासकीय हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों हेतु कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए गणित एवं विज्ञान ओलम्पियाड का आयोजन 07 दिसंबर 2025, रविवार को किया गया। परीक्षा दो सत्रों में सम्पन्न हुई। प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक विज्ञान विषय तथा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गणित विषय की परीक्षा आयोजित की गई। उपस्थिति के अनुसार प्रथम पाली विज्ञान विषय में दर्ज 1974 विद्यार्थियों में से 1384 और द्वितीय पाली गणित विषय में 1406 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। विकासखंड स्तरीय परीक्षा जिले के पाँच परीक्षा केंद्रों में आयोजित हुई। इनमें कुसमी में दर्ज 257 में से 227, मझौली में दर्ज 450 में से 363, उत्कृष्ट विद्यालय रामपुर नैकिन में दर्ज 403 में से 276, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 सीधी में दर्ज 441 में से 292 तथा सिहावल परीक्षा केंद्र में दर्ज 423 में से 226 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी ओशो उत्सव, बीडी कोल, अवधशरण पांडेय, महेंद्र प्रसाद शुक्ल, एडीपीसी प्रवीण कुमार शुक्ल और एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। ओलम्पियाड के उद्देश्य की जानकारी देते हुए एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या-समाधान क्षमता, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करना है, जिससे वे भविष्य में चिकित्सा, तकनीकी और अनुसंधान के क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकें।

देऊरा गांव में जुए का वीडियों वायरल

इस इलाके में सालों से खेला जा रहा, पुलिस बोली- हमें पता है

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न थाना क्षेत्र के देऊरा गांव में जुए का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में करीब 15 से 20 लोग रात में जमीन पर पीली प्लास्टिक बिछाकर ताश के पत्तों पर हजारों रुपये का दांव लगाते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह जुआ लंबे समय से इस क्षेत्र में चल रहा है।

सीएसपी पीएस परस्ते का कहना है कि वीडियो का संज्ञान लिया गया है और मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि यह वीडियो सिंगरौली जिले के किस थाना क्षेत्र का है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वीडियो की पुष्टि होने पर सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीएसपी परस्ते ने यह भी जानकारी दी कि पुलिस जुआखोरी के खिलाफ पहले भी कार्रवाई कर चुकी है।

उन्होंने नवानगर क्षेत्र में एक बिल्डिंग में ताश केपत्तों से जुआ खेलते कई लोगों को पकड़े जाने का उदाहरण दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में होने वाली इस जुआबाजी से अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है, जिस पर पुलिस की सख्त कार्रवाई से ही रोक लग पाएगी।

भारतीय रोजगार का करार

संपादकीय

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अर्द्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा, लेकिन यह रूस की विकराल समस्या है। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। विदेश और श्रम मंत्रालयों ने इस करार की पुष्टि की है। मंत्री और मंत्रालय के स्तर पर शिखर संवाद हो चुका था। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात् अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे। रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। इस करार से भारत को कई फायदे होंगे। रोजगार तो उपलब्ध होगा ही। फिलहाल रूस में 1 लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के 3 लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं।

उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं। रूस नहीं चाहता कि उसके एक सूबे में कोई विदेशी आबादी बढ़ती रहे और वह कुंडली मार कर जम जाए। रूस अपनी नस्ल भी खराब नहीं होने देना चाहता।

ढलान पर दोस्ती, संजोने की जरूरत है !

गिरीश्वर मिश्र

समकालीन ज़िन्दगी में निरंतर बढ़ती वैयक्तिकता के दौर में अतिव्यस्त होता हुआ आज आदमी अपने ही अंदर सिकुड़ता चला जा रहा है। रिश्तों की उपेक्षा और उनका हाशियाकरण जिस तेजी से हो रहा है वह उस समाज के ताने-बाने को झटका देने वाला साबित हो रहा है जिसमें साथ चलने, साथ बोलने, मन के मिलने और साझे में विचरने पर जोर दिया जाता था। हमारी प्रार्थना ही थी- संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवदध्वम् संवो मनांसि जानताम्। अब यह वैश्विक स्तर पर एक विशेष चिंता पैदा करने वाली बात होती जा रही है कि आज की दुनिया के छोटे-बड़े, विकसित-कम विकसित लगभग हर तरह के देशों में आम जनों में मित्रता की प्रवृत्ति में बड़ी तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। अब लोगों को ऐसे क़रीबी दोस्त नहीं मिलते जिन पर भरोसा किया जा सके। सिमटते-सिकुड़ते रिश्तों के दौर में ऐसे मीत और साथी नहीं मिल रहे जिनके साथ खुल कर दुख-दर्द बांटा जा सके, मन हल्का किया जा सके और मौक़ा पड़ने पर पुकारा जा सके। मित्रता स्वभाव से सहयोगी हुआ करती थी और एक मित्र दूसरे की उन्नति की कामना करता था। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में मित्रता की जगह लोगों में अपनी निजी सामर्थ्य, शक्ति और समृद्धि को अधिकाधिक पर्याप्त बनाने और उसमें सुख ढूँढने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। थोड़े समय तक तो जीने का यह तरीका सही और ठीक लगता है पर ज़िन्दगी की लंबी दौड़ में थोड़े दिनों में ही इसकी पोल खुलने लगती है। आत्मरति की मृग-मरीचिका कदापि अंतहीन नहीं होती है और उसका तिलस्म टूटने पर आदमी को आगे कोई राह नहीं सूझती है।

अब शहरी इलाकों में लोगों को अपने परिचित लोगों की संख्या देखें तो लगता है वह खूब बढ़ रही है। मोबाइल पर 'कांटैक्ट' तो निरंतर बढ़ते रहते हैं। यानी हम जिन लोगों के संपर्क में रहते हैं उनकी तादाद बढ़ती जा रही है। परंतु उनमें से ज्यादातर ऐसे ही होते हैं जिनके साथ क्षणिक रिश्ता होता है। गहरी, टिकाऊ और सच्ची दोस्ती जो ज़िन्दगी में मददगार होती है कम होती जा रही है। कभी लोग विभिन्न आयोजनों और क्लब या होटल आदि में भी परिचित लोगों से भी लोग ख़ुशी से मिलते-जुलते थे पर अब हालात ये हो रहे हैं कि भीड़ में भी लोग अलग-थलग और अकेले ही रहते हैं। अब लोग अकेले ही खाना-पीना पसंद करते हैं। मित्रता के अभाव में ज़िन्दगी अंदर से खोखली और सतह पर भरी-पूरी दिखती है।

स्थिति इतनी नाजुक हो रही है कि दोस्ती अब सिर्फ एक सामाजिक मुद्दा नहीं रहा। वह एक विकट सांस्कृतिक समस्या का रूप ले रहा है। सच्ची बात तो यह है कि दोस्ती के लिए समय निकालना अब विलासिता नहीं बल्कि एक ख़ास ज़रूरत हो चुकी है। आज की कटु सच्चाई है कि अकेलापन एक लत बनता जा रहा है। अगर हम दोस्ती की कद्र नहीं करेंगे और उसमें निवेश नहीं करेंगे तो हम न सिर्फ़ नए दोस्त बना सकेंगे, बल्कि पुराने रिश्ते भी खो देंगे। अनेक शोध अध्ययन यह दिखाते हैं कि अकेलेपन से कई बीमारियां और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा हो रही हैं। वे हृदय रोग और अवसाद को बढ़ाती हैं। उनसे आदमी की असमय मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है।

मित्रता मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए एक आधारभूत आवश्यकता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक 80-वर्षों से चल रहे एक दीर्घकालिक अनुसंधान को मानें तो आदमी के लिए सच्ची खुशी और स्वास्थ्य के बीच बड़ा घनिष्ठ संबंध है। जिंदगी की सच्चाई यही है कि रूपया-पैसा कमाया जा सकता है, रुतबा भी बदला जा सकता है लेकिन सच्चा दोस्त ही अकेला ऐसा होता है जो परिवार का रक्त संबंधी न होते हुए भी जीवन की हर परिस्थिति और चुनौती में आपके साथ चट्टान की तरह अटल खड़ा होता है। दोस्ती सचमुच ही एक ऐसा धन या खजाना है जो कभी चुकता या खत्म नहीं होता।

इसलिए सिर्फ़ जान-पहचान से संतुष्ट न हों- दोस्त बनायें और दोस्तों को आवश्यक प्रतिष्ठा और इज़्ज़त दें । अच्छे दोस्त ही हमारे असली धन होते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम सब दोस्ती को बढ़ावा दें, उसके लिए समय निकालें, लोगों को क्षमा करने की आदत डालें और रिश्तों की यादें बनाएं। दोस्ती एक अवसर है जिसको बनाना बिगाड़ना हमारे ही हाथ में होता है।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

प्रहलाद सबनानी

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है। अक्टोबर 2025 माह में भी भारत का विदेशी व्यापार घाटा 4,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर के ऊपर रहा है। यह, भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती है। इससे, भारत में चूंकि अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ रही है अतः भारतीय रुपए के मूल्य पर दबाव बढ़ रहा है।

दूसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूर्व में किए गए अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से एवं अपने निवेश को तेजी से उभर रहे अन्य देशों के शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले कुछ समय से, भारतीय पूंजी बाजार से लगातार अपने निवेश को निकाल रहे हैं। वर्ष 2025 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपए (1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निवेश की निकासे के चलते भी भारतीय रुपए पर दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वे भारत में अमेरिकी डॉलर में किए गए अपने निवेश को अमेरिकी डॉलर में ही निकाल रहे हैं और इससे अमेरिकी डॉलर की कीमत (मांग) बढ़ रही है तथा रुपए की कीमत गिर रही है।

वैसे तो सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भी देश द्वारा अपनी मुद्रा के मजबूत बने रहने की कामना की जाती है क्योंकि इससे मुद्रा बाजार में स्थिरता बनी रहती है एवं विदेशी निवेशक अमेरिकी डॉलर में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार पक्का करते हैं। परंतु, इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है तो उस देश में आयात होने वाले उत्पादों की कीमत महंगी हो जाती है। परंतु, इससे देश के निर्यातकों को जरूर लाभ होता है क्योंकि अमेरिकी डॉलर के एवज में उन्हें अधिक स्थानीय मुद्रा की प्राप्ति होती है। इस सिद्धांत के अनुसार ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत के गिरने से भारत द्वारा अन्य देशों से किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के आयातित उत्पाद भारतीय बाजारों में भी महंगे हो सकते हैं इस प्रकार अन्य देशों से मुद्रा स्फीति का आयात भारत में होने लग सकता है। उदाहरण के लिए भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात की कीमत, भारतीय रुपए के अवमूल्यन के चलते, यदि बढ़ जाती है तो इससे भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी बढ़ जाएगी क्योंकि भारत में अब कच्चे तेल का आयात उंची दरों पर हो रहा होगा। इसके ठीक विपरीत, भारत के निर्यातकों को अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी डॉलर के एवज में अधिक रुपए की प्राप्ति होने लगेगी, इससे उन्हें अधिक लाभ होने की सम्भावना बढ़ जाएगा। इन परिस्थितियों के बीच, सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रुपए के मूल्य में तेज गति से हो रहे अवमूल्यन को रोकने की दृष्टि से अमेरिकी डॉलर की बाजार में उपलब्धता बढ़ाते हुए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है। मध्य सितम्बर 2025 की अवधि तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर बाजार में उपलब्ध कराए थे। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार में निर्मित हुई अस्थिरता की स्थिति से भारतीय निर्यातकों को बचाने की दृष्टि से भी भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के हो रहे अवमूल्यन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के उद्देश्य से भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेश मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक जब भी चाहे इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करते हुए भारतीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। परंतु, यदि लम्बी अवधि की दृष्टि से देखा जाय तो भारत को विभिन्न उत्पादों के आयात घटाकर, विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करते हुए अपने विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। भारत में मुख्य रूप से कच्चा तेल एवं स्वर्ण का सबसे अधिक आयात किया जाता है। कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु एवं अपनी ऊर्जा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु भारत को नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन ऊर्जा) के उत्पादन को बढ़ाना ही होगा। केंद्र सरकार इस संदर्भ में बहुत प्रयास कर रही है एवं अपनी ऊर्जा की जरूरतों को, विंड पावर एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करते हुए, पूरा करने के प्रयास कर रही है। इसमें बहुत अच्छी सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, स्वर्ण के उत्पादन को भारत में ही बढ़ाकर इसके आयात को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत विभिन्न उत्पादों की लागत को कम कर देश में निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बना सकता है। इसके लिए, भारत में ही कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक होगा, ताकि कच्चे माल के आयात को कम किया जा सके। ब्याज दरों को कम करते हुए पूंजी की लागत को कम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 5 दिसम्बर 2025 को घोषित अपनी मुद्रा नीति (मोनेटरी पॉलिसी) में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, दिनांक 21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरुआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

एमपी में बढ़ता नशे का व्यापार : गली मोहल्लों तक फैलती मादक पदार्थों की तस्करी रोकथाम में नाकाम सिस्टम चिंता का विषय

संदीप द्विवेदी
संपादक- मीडिया ऑडीटर

मध्यप्रदेश में नशे का अवैध व्यापार लगातार विकराल रूप लेता जा रहा है। शहरों से लेकर कस्बों और दूरस्थ ग्रामीण इलाकों तक मादक पदार्थों की तस्करी बेधड़क जारी है। स्थिति यह है कि अब गली मोहल्लों में भी नशे के सौदागरों की सक्रियता साफ देखी जा सकती है। यह न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है बल्कि युवा पीढ़ी के भविष्य को भी तेजी से बर्बाद कर रहा है। प्रदेश में पुलिस और प्रशासन लगातार कार्रवाई का दावा करते हैं लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर दिखाई देती है। जगह-जगह छापेमारी और गिरफ्तारी के बावजूद नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि नशे के व्यापार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि केवल ऊपरी कार्रवाई से इस पर काबू पाना मुश्किल है। जरूरत बड़े नेटवर्क को तोड़ने और सप्लायर डिस्ट्रीब्यूशन चैन को उखाड़ फेंकने की है।

गली मोहल्लों में आसानी से उपलब्ध हो रहा नशा: जहां पहले नशा गुपचुप तरीके से कुछ खास इलाकों में मिलता था वहीं अब स्थिति यह हो गई है कि हर छोटे मोहल्ले में स्मैक गांजा नशीली गोलियां और इंजेक्शन जैसे पदार्थ आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं। स्कूल कॉलेज के आसपास भी इसकी बिक्री बढ़ गई है जिससे किशोर और युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। कई जिलों में यह देखने को मिला है कि नाबालिगों तक को नशा बेचने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि पुलिस की पकड़ से बचा जा सके।

तस्करों की नई रणनीति छोटी छोटी खेप अनेक सप्लायर: तस्कर अब बड़े स्तर पर माल ढोने के बजाय छोटी छोटी खेप में सप्लाई कर रहे हैं। इससे पुलिस को सबूत और नेटवर्क पकड़ने में मुश्किल होती है। कई तस्कर स्थानीय लोगों को कुछ मामूली पैसों का लालच देकर उन्हें डिलीवरी बॉय की तरह इस्तेमाल करते हैं। गांवों में गांजे की खेती भी कुछ क्षेत्रों में फिर बढ़ने लगी है जिसे नर्मदा बेल्ट और विंध्य क्षेत्र के जंगलों में छिपाया जाता है। पुलिस कार्रवाई के बावजूद हर वर्ष हजारों किलो गांजा जब्त होने की खबरें सामने आती हैं जो साफ बताती हैं कि उत्पादन और तस्करी दोनों गति पकड़ चुके हैं।

युवाओं में नशे की खतरनाक लत: नशे का असर सबसे अधिक युवा पीढ़ी पर हो रहा है। 14 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में नशे की लत लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि नशा केवल स्वास्थ्य को तबाह नहीं करता बल्कि अपराधों को भी जन्म देता है। नशे के आदी युवक चोरी लूट मारपीट और घरेलू हिंसा जैसे अपराधों में तेजी से संलिप्त होने लगे हैं। कई मामलों में नशे की खुराक पूरी करने के लिए वे अवैध गतिविधियों का सहारा ले रहे हैं। इससे समाज में असुरक्षा और भय का वातावरण बन रहा है।

प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं: बीते महीनों में पुलिस ने कई बड़े मामलों में तस्करों की गिरफ्तारी और नशे की खेप बरामद की है लेकिन तस्करी का ग्राफ नीचे नहीं आ रहा। जानकारों का कहना है कि वर्तमान कार्रवाई घास काटने जैसी है जबकि जड़ें अब भी मजबूती से जमी हुई हैं।

कई जिलों में पुलिस व प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही या मिलीभगत के आरोप भी उठते रहे हैं। जब तक नशे के बड़े सप्लायर फाइनेंसर और नेटवर्क संचालकों को नहीं पकड़ा जाएगा तब तक नशे की रोकथाम असंभव है।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक उछाल और नई आर्थिक दृष्टि

13 दिसंबर 2023 को जब डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब प्रदेश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता अरसे से ऐसी नेतृत्व शक्ति की प्रतीक्षा में थी जो विकास को स्थायी नीति और जमीन पर दिखने वाले परिवर्तन के रूप में स्थापित करे। भाजपा ने उस समय जो निर्णय लिया, वह आज दो वर्षों बाद अधिक सार्थक प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री के तौर पर डॉ. यादव ने यह प्रमाणित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति, निर्णायक प्रशासन और विकास के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता हो तब परिवर्तन अनिवार्य रूप से संभव हो जाता है। लोककल्याणकारी राज्य की जो परिकल्पना भारतीय राजनीति का मार्गदर्शक रही है, उसे वास्तविक अर्थों में मूर्त रूप देने की दिशा में इन दो वर्षों में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह स्पष्ट है कि वे आर्थिक स्फूर्ति को राज्य की नई पहचान बनाना चाहते हैं। सरकार के शुरुआती दिनों में ही जिस तेजी से कदम उठाए गए, उसने निवेशकों और उद्योग जगत में नया विश्वास पैदा किया। सत्ता संभालने के मात्र छह महीनों के भीतर केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना के लिए त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न करना यह साबित करता है कि सरकार इरादे में भी स्पष्ट थी और कार्यशैली में भी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड जैसे अति पिछड़े और सूखा प्रभावित क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विकास के नए मॉडल का सबसे बड़ा संकेत वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत सेहोर जिले की आष्टा तहसील में लगभग 60,000 करोड़ रुपये की एथेन क्रैकर परियोजना को मंजूरी दी गई। यह मध्य प्रदेश के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। वहीं, पूरे देश के पेट्रोकेमिकल सेक्टर में भी महत्वपूर्ण ठहरती है। इस परियोजना से रोजगार के हजारों अवसर निर्मित होंगे, साथ ही प्रदेश को औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है। यह परियोजना संकेत देती है कि सरकार छोटे निवेशों के साथ ही उच्च-स्तरीय औद्योगीकरण को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रही है।

इन दो वर्षों में सरकार ने नीति निर्माण को भी एक सतत प्रक्रिया की तरह व्यवस्थित किया। वर्ष 2025 में औद्योगिक संवर्धन नीति का नया संस्करण लागू किया गया, जिसने निवेशकों को अनेक सुविधाएं दीं, उन्हें यह भरोसा दिलाया कि मप्र अब प्रतिस्पर्धी राज्यों की कतार में मजबूती से खड़ा है। टेक्सटाइल, फार्मा, बायोटेक, ईवी, रक्षा उद्योग जैसे आधुनिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियाँ इसी सोच का परिणाम है। साथ ही मोहन सरकार ने नीतियों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार किया, अनुमति प्रणाली को सरल बनाया और निवेशकों के लिए सिंगल विंडो प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया है।

इस दौरान राज्य में औद्योगिक भूमि आवंटन को भी पहले से कहीं अधिक सुव्यवस्थित और तेज बनाया गया। औद्योगिक पार्कों का विस्तार, स्किल पार्कों की स्थापना, क्लस्टर विकास और परिवहन-सुविधाओं का आधुनिकीकरण इन सभी पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है। डॉ. मोहन यादव कई अवसरों पर कहते भी दिखे हैं कि औद्योगिक विकास केवल पूंजी निवेश से नहीं होता; उसके लिए अनुकूल वातावरण, त्वरित प्रशासनिक समर्थन और मानव संसाधन की उपलब्धता भी उतनी ही आवश्यक होती है।

यही कारण भी है जो आज मप्र एमएसएमई क्षेत्र में भी इन दो वर्षों में नीति-सुधार और सरकारी समर्थन से नई गति पकड़ता दिखाई देता है। कहना होगा कि लघु और मध्यम उद्योग रोजगार सृजन का प्रमुख आधार हैं, यह ग्रामीण-शहरी आर्थिक संतुलन के भी महत्वपूर्ण वाहक हैं। सरकार ने इन उद्योगों को ब्याज छूट, कर-रियायत, सब्सिडी और सरल प्रक्रियाओं का लाभ देकर यह सुनिश्चित किया कि वे वैश्विक और राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकें। टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन मिलने से बड़ी संख्या में युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर विकसित हुए हैं। फिर औद्योगिक विकास तभी स्थायी हो सकता है जब उसकी रीढ़ मजबूत आधारभूत संरचना हो।

अब इस दृष्टि से देखें तो प्रदेश सरकार ने सड़क, बिजली, जल और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। बिजली कटौती में कमी, नई उपस्टेशन इकाइयों की स्थापना, औद्योगिक क्षेत्रों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था और नई सड़कों-पुलों का निर्माण इन सबने मिलकर विकास को गति देने में अहम योगदान दिया है। साथ ही, डिजिटल गवर्नेंस के स्तर पर भी अभूतपूर्व सुधार किए गए हैं। सरकारी पोर्टलों का विस्तार, ऑनलाइन सेवाओं की बढ़ोतरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाले तकनीकी उपायों ने निवेशकों के लिए एक सहज, भरोसेमंद वातावरण तैयार किया है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उन्होंने विकास को केवल उद्योग और पूंजी निवेश तक सीमित नहीं रखा। कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी विकास के लिए स्पष्ट रणनीतियाँ अपनाई गई। किसान-हितैषी निर्णय, समर्थन मूल्य नीति में सुधार, सिंचाई विस्तार, जैविक कृषि को बढ़ावा और सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़ाने जैसे प्रयासों ने प्रदेश की आर्थिक संरचना को अधिक व्यापक और स्थाई बनाया है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने और इसकी आधारभूत संरचना को मजबूत करने से रोजगार और स्थानीय आय में वृद्धि की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं।

प्रदेश की युवा शक्ति को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। स्किल पार्कों का निर्माण, आईटी और सेवाक्षेत्र पर जोर, और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने की नीतियाँ इस सोच का हिस्सा हैं। इसीलिए ही इन दो वर्षों में मध्यप्रदेश में स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ी है और निवेशकों की रुचि भी बढ़ी है जो इस नीति की सफलता का प्रमाण है। वहीं, इन सभी उपलब्धियों के बाद भी चुनौतियाँ कुछ कम नहीं हैं। यहां अच्छा यह है कि सरकार ने उन चुनौतियों को पहचाना है, उनके समाधान की दिशा में योजनाएं बनाकर कार्य किया जा रहा है जो राज्य की अर्थव्यवस्था को उन्नति की दिशा में लगातार अग्रसर करने का आज मुख्य कारण है।

इन दो वर्षों का सार यह है कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री के रूप में जो नेतृत्व दिया, वह प्रदेश हित में प्रभावी और परिणामकारी है। उनकी कार्यशैली ने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, नीतिगत स्पष्टता और जमीनी क्रियान्वयन इन तीन स्तंभों पर आधारित नेतृत्व किसी भी राज्य की दिशा और दशा बदल सकता है। भाजपा का उन पर भरोसा वाकई प्रदेश के हित में ठहरा है। अतः आज मप्र जिस औद्योगिक और आर्थिक गति से आगे बढ़ रहा है, वह बताता है कि आने वाले वर्षों में यह राज्य निवेश, उद्योग, रोजगार और समग्र विकास का ऐसा केंद्र बन जाएगा, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले कठिन थी। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह साबित किया है कि नई ऊर्जा, नई सोच और नई नीति के साथ परिवर्तन अवश्यंभावी है।

रतनपुर में 426.40 करोड़ की अंजनी जलाशय नहर विस्तारीकरण परियोजना का भूमिपूजन क्षेत्र में सिंचाई क्रांति की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी/खड़गवां (निप्र)। जनपद पंचायत खड़गवां के रतनपुर में बहुप्रतीक्षित अंजनी जलाशय नहर विस्तारीकरण एवं सीसी चैनल निर्माण कार्य का भूमिपूजन रविवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। लगभग 426.40 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र के कृषक समुदाय के लिए बड़ी सौगात मानी जा रही है।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करियांम चिरमिरी नगर पालिक निगम के मेयर राम नरेश राय रतनपुर के सरपंच नरेंद्र कुमार सिंह सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी, ठेकेदार और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नहर विस्तारीकरण से सिंचाई क्षमता में बड़ा इजाफा: जल संसाधन विभाग के ए. टोप्पो ने जानकारी दी कि अंजनी जलाशय की नहर पूर्व में बनाई गई थी लेकिन वह अपनी पूर्ण क्षमता से जल आपूर्ति नहीं कर पा रही थी। अब नहर को पूरी तरह सीसी चैनल में परिवर्तित किया जा रहा है जिससे पानी की बर्बादी रुकेगी और जल प्रवाह अधिक दूरी तक पहुंच सकेगा। इससे रतनपुर ग्राम पंचायत की लगभग 75 प्रतिशत भूमि सिंचित होगी। विभाग ने बताया कि नहर के नए मार्ग से उन क्षेत्रों को भी जोड़ा जाएगा जो अब तक सिंचाई से वंचित थे।

परियोजना क्षेत्र के विकास का नया अध्याय मंत्री जायसवाल: मुख्य अतिथि मंत्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ का हर किसान साल में दो फसल ले सके। इसी उद्देश्य से इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिली है। उन्होंने इसे क्षेत्र का भाग्योदय बताते हुए कहा कि नहर विस्तारीकरण पूरा होते ही रतनपुर सहित आसपास के गांव कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में कई विकास कार्य रोक दिए गए थे जिससे जनता प्रभावित हुई लेकिन भाजपा सरकार रुकी हुई परियोजनाओं को तेज गति से पूरा कर रही है। उन्होंने बताया कि खड़गवां ब्लॉक में 95 से अधिक सड़कें निर्माणाधीन हैं और जल्द ही प्रत्येक गांव पक्की सड़क से जुड़ जाएगा।

समापन में मंत्री ने ग्रामीणों से गाय पालन अपनाने की अपील की और इसे आजीविका और पोषण सुरक्षा के लिए लाभकारी बताया।

मजदूर के घर 14 लाख कैश मिला, पति बोला- पत्नी लेकर आई; जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर, एजेंसी। मधुबन नारियल कोठी के अटल आवास में एक मजदूर के घर से 14 लाख रुपए नकद बरामद हुआ है। शनिवार (6 दिसंबर) को पुलिस ने घर की अलमारी में एक बैग बाहर निकाला जिसमें पैसे अंदर छिपाकर रखे हुए थे। बंडल में सभी 500-500 रुपए के नोट थे। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पूछताछ में मजदूर ने पुलिस को बताया कि सारे रुपए उसकी पत्नी ने लाए गए थे। पुलिस ने विजेंद्र बैस को गिरफ्तार कर पत्नी की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि पति-पत्नी की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस उनके घर पहुंची थी। पुलिस को शक है कि पैसे बहुत दिनों से छिपाए गए थे।

पत्नी बर्तन धोने का काम करती है: कोतवाली थाना क्षेत्र के नारियल कोठी मधुबन स्थित अटल आवास निवासी विजेंद्र बैस (38) मजदूरी करता है। उसकी पत्नी घर में बर्तन धोने का काम करती है। दोनों पिछले कुछ दिनों से लगातार खर्च कर रहे थे। उन्होंने घर पर बड़ा ताला लगाना शुरू कर दिया। इसके अलावा नई स्कूटी खरीदी और दूसरी जगह घर निर्माण का काम भी शुरू किया। इसकी भनक पुलिस को लगी। जिसके बाद कोतवाली पुलिस, तारबाहर और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने शनिवार को विजेंद्र बैस के घर पर दबिश दी।

अलमारी में बैग में रखा था नकद: जांच के दौरान घर की अलमारी में रखे एक बैग के अंदर से 500-500 रुपए के बंडल पाए गए। कुल रकम 14 लाख रुपए थी। पुलिस ने रुपए के संबंध में पूछताछ की, लेकिन विजेंद्र आय का कोई प्रमाण या दस्तावेज पेश नहीं कर सका। सख्ती करने पर उसने रुपए पत्नी द्वारा घर लाने की बात बताई। पुलिस ने सारे रुपए जब्त कर विजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, उसकी पत्नी की तलाश जारी है।

नोटों से बदबू, लंबे समय से रुपए छिपाने का शक: जब्त किए गए नोटों में नमी की बदबू आने के कारण पुलिस को लगता है कि रुपए लंबे समय से घर में छिपाकर रखे गए थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ये रुपए गलत गतिविधियों से हासिल किए गए थे या बड़े लोगों द्वारा रेड आदि से बचाने के लिए उनके घर रखवाए गए थे।

पत्नी अलमारी छूने नहीं देती थी: पुलिस पूछताछ में विजेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी उसे अलमारी तक छूने नहीं देती थी। अलमारी खोलने और बंद करने के बाद चाबी वह खुद रखती थी। मामले के कई अनसुलझे सवालों के जवाब पत्नी की गिरफ्तारी के बाद ही मिल पाएंगे। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

इन फीडरों पर आज विद्युत प्रदाय बंद रहेगा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। 33 केव्ही होमगार्ड के अंतर्गत 11 केव्ही. झॉसी तिराहा, इमामबाडा, जवाहर कालोनी, नीलघर, लुधावली, इन्डस्ट्रियल एरिया गुना नाका, खेडापति कॉलोनी पर मेंटेनेंस एवं आवश्यक कार्य किये जाने के कारण 8 दिसम्बर को विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। उक्त फीडरों के बंद रहने से सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक राघवेन्द्र नगर, झॉसी तिराहा, इमामबाडा, जवाहर कालोनी, अम्बेडकर कालोनी, पुरानी शिवपुरी, गोबिन्द नगर, दीनदयाल पुरम, तारकेश्वरी कालोनी, नीलघर चौराहा, महल कालोनी, खेडापति कालोनी, आदर्श नगर, तुलसी नगर, कृष्ण पुरम कालोनी, गुरुद्वारा राजेश्वरी रोड, वर्मा कालोनी, लुधावली, आहार पोषण केन्द्र, बी.एस.एन.एल. आई.टी. बी.पी., साँची दूध डेयरी, एवं ओम डिस्पोजल आदि क्षेत्र में विद्युत पर बाधित रहेगा।

खेत में सिंचाई करते समय करंट लगने से 25 वर्षीय युवक की मौत खेरोना गांव में मचा मातम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सुरवाया थाना क्षेत्र के खेरोना गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया जहाँ खेत में सिंचाई करते समय 25 वर्षीय भूरा गुर्जर पुत्र राजेंद्र गुर्जर की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन युवक को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह बिजली सप्लाई बहाल होने पर भूरा गुर्जर अपने खेत पहुँचा और गेहूं की खड़ी फसल में सिंचाई शुरू की। बताया गया कि खेत में पड़ा एक विद्युत तार करंट से सक्रिय था जिसकी चपेट में आते ही भूरा को जोरदार झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दोपहर के समय परिजन जब खेत पहुँचे तो उन्होंने भूरा का शव पड़ा हुआ देखा जिससे गांव में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की उम्र 25 वर्ष बताई जाती है और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। अचानक हुई इस घटना से पूरा गांव शोक में डूब गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही सुरवाया थाना पुलिस मौके पर पहुँची और मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस अब करंट लगने के कारणों की जांच कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि तार खेत में कैसे पहुँचा तथा उसमें विद्युत प्रवाह क्यों था।

कार-ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर, 5 दोस्तों की मौत

मेला देखकर लौट रहे थे, गाड़ी में फंसे शव; पुलिस और ग्रामीणों ने मुश्किल से निकाला

जशपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में भीषण सड़क हादसे में 5 दोस्तों की मौत हो गई। हादसा 6 दिसंबर शनिवार की रात ह॥-43 पतराटोली के पास हुआ। मनोरा थाना क्षेत्र के मेले से लौट रही दॄ-20 कार और सामने से आ रहे ट्रेलर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी टक्कर इतनी खतरनाक थी कि कार सवार सभी 5 युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के ढेर में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। घटना दुलदुला थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक सभी युवक एक ही गांव के रहने वाले थे। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखकर घर लौट रहे थे। कार्यक्रम से घर पहुंचने की जल्दी में कार की रफ्तार काफी तेज थी। पतराटोली के पास अचानक सामने ट्रेलर को देखकर ड्राइवर नियंत्रण नहीं रख पाया और सीधी भिड़ंत हो गई।

टक्कर होते ही हुआ धमाका: टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ और कार सड़क किनारे घिसटती चली गई। आसपास के ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे, लेकिन वाहन के अंदर फंसे सभी युवक मृत पाए गए। सूचना मिलते ही दुलदुला थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

कार के अंदर फंसी हुई थी लाशें: पुलिस जब पहुंची तो सभी की लाशें कार के अंदर फंसी हुई थी। शवों को वाहन से बाहर निकालने में पुलिस और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में सभी शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुलदुला भिजवाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया की जा रही है।

ट्रेलर ड्राइवर फरार, तलाश जारी: दुलदुला थाना प्रभारी के.के. साहू ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मृतक दुलदुला थाना क्षेत्र के खटंगा गांव के रहने वाले हैं। पहचान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 'कार और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हुई है। ट्रेलर चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। आगे की जांच जारी है।'

युवक ने सुसाइड से पहले बनाया वीडियों...फिर लगाई फांसी

बोला- मुझे, माता-पिता, भाई को 3 युवक कर रहे प्रताड़ित, मौत के लिए यही जिम्मेदार

अंबिकापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में 3 लड़कों से प्रताड़ित होकर एक युवक ने शनिवार को फांसी लगा ली। सुसाइड करने से पहले वीडियो भी बनाया है, जिसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में बताया कि मेरी मौत के जिम्मेदार यही 3 युवक हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम परम तिवारी (25) है, जो बौरीपारा गांव का रहने वाला था। परम की लाश फांसी के फंदे पर झूलती मिली है। वहीं सुसाइड से पहले का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

यह है मामला: दरअसल, 5 दिसंबर की परम तिवारी की शाम अग्रसेन चौक से लगे जिम में गया था। जिम से अपने दोस्त के साथ बाहर निकला। वहां एक परिचित युवक मिला। वहां से तीनों साथ निकले तो अग्रसेन चौक के पास कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया।

विवाद के बाद सभी लोग अपने-अपने घर आ गए। परम भी अपने घर आ गया। वहीं कुछ समय बाद विवाद करने वाले 3 युवक परम तिवारी के घर पहुंच गए। परम के पिता और उसके भाई से गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। इससे परम टेंशन में आ गया और सुसाइड कर लिया।

मरने से पहले वीडियो में क्या बोला परम: वायरल वीडियो के मुताबिक परम तिवारी ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल पर 1 मिनट 22 सेकेंड का वीडियो रिकॉर्ड किया है। वीडियो में कह रहा है कि मेरा नाम परम तिवारी है। मैं सीकारी रोड निवासी आदित्य तिवारी का बेटा हूं।

सर्राफा व्यापारी को गोली मारकर लूट, 4 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनकपुर पुलिस ने सर्राफा व्यापारी से लूट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लूटे गए सोने-चांदी के जेवर, एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पकड़ा गया मुख्य आरोपी देशराज कुशवाहा मध्य प्रदेश के मुरैना जिले का निवासी है। उसने अपने भतीजे मोनू कुशवाहा, रामप्रकाश पंडित और उमाशंकर शर्मा के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने दो सर्राफा व्यापारियों, ब्रह्मा और अनिल सोनी को गोली मारकर जेवर लूटे थे। यह घटना 5 जून, 2025 को तब हुई जब व्यापारी हरचौका के साप्ताहिक बाजार से लौट रहे थे और घुघरी के पास उन पर हमला किया गया।

अहेरा आदिवासी बस्ती में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय ऋषीश्वर के मार्गदर्शन में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ दीक्षांत गुधेनिया के नेतृत्व में पोहरी क्षेत्र के अहेरा आदिवासी बस्ती में गत दिवस विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। जहां शिविर में मुख्य रूप से बीएमओ डॉ दीक्षांत गुधेनिया सहित मेडिकल टीम मौजूद रही। शिविर में कुछ 83 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें 32 मरीजो की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई,12 मरीजो की टीबी स्क्रीनिंग की गई, 35 मरीजो की एचआईवी टेस्टिंग की गई। एक गर्भवती महिला की एएनसी प्रोफ़ाइल की गई एवं 2 बच्चो का टीकाकरण भी किया गया।

शिविर के दौरान एक बच्चा कुपोषित चिन्हित हुआ जिसे तत्काल एम्बुलेंस द्वारा एन आर सी सेंटर में भर्ती कराया गया। शिविर में पूर्व से ज्ञात बीपी के 2 मरीज, सुगर का 1 ओर टीबी के 2 मरीजो को नियमित नि:शुल्क दवा उपलब्ध करायी गयी। जहा 26 मरीजो की संभावित बीमारियों के सेम्पल कलेक्ट कर जांचों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोहरी भिजवाया गया।

शादी का दबाव बनाया तो गर्लफ्रेंड को मार डाला, कोरबा में हत्या के बाद शादीशुदा बॉयफ्रेंड भागा; होटल के कमरे में मिली लाश

कोरबा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। गर्लफ्रेंड शादी करने का दबाव बना रही थी, जिससे तंग आकर उसने गर्लफ्रेंड का गला घोंट दिया। बॉयफ्रेंड ने इस पूरे वारदात को होटल के कमरे में अंजाम दिया और फरार हो गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, गर्लफ्रेंड का नाम संध्या दास (20) है। जबकि बॉयफ्रेंड का नाम राकेश कुमार मानिकपुरी है। जो कि पहले से शादीशुदा है। दोनों जांजगीर-चांपा के रहने वाले हैं। दोनों शादी कार्यक्रम में शामिल होने की बात कहकर चंदेला होटल के रूम नंबर 207 में रुके थे।

गुरुवार रात को गर्लफ्रेंड ने शादीशुदा बॉयफ्रेंड पर शादी का दबाव बनाया। परेशान होकर उसने गर्लफ्रेंड का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद वह जांजगीर-चांपा भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने पहचान की और उसे गिरफ्तार किया।

यह है पूरा मामला: दरअसल, संध्या दास जांजगीर-चांपा जिले के मरकीडीह में रहने वाली थी। राकेश कुमार मानिकपुरी भी उसी गांव का रहने वाला है। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। गुरुवार को दोनों कोरबा पहुंचे और चंदेला होटल में ठहरे। दोनों ने होटल संचालक को शादी कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही।

गुरुवार रात दोनों अपने कमरे में गए। शुक्रवार सुबह काफी समय तक कोई हलचल न होने पर होटल कर्मचारियों ने कमरा देखा। इस दौरान युवक राकेश कुमार मानिकपुरी लापता था। जबकि संध्या दास का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। मामले की सूचना मिलते ही फोरेंसिक एक्सपर्ट और पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।

युवक के लापता होने से मामला संदिग्ध: सूचना पर युवती के परिजन मौके पर पहुंचे। उन्हें बताया गया कि युवती एक युवक के साथ रुकी हुई थी, जो कि लापता है। जिससे मामला संदिग्ध हो गया। पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। पहचान के बाद पुलिस ने ग्राम मरकाडीह में दबिश देकर राकेश कुमार मानिकपुरी (25) को हिरासत में लिया।

मरकाडीह से आरोपी को हिरासत में लिया: पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसके और संध्या के बीच अफेयर था। लगातार शादी का दबाव बना रही थी। पहले से शादीशुदा होने के कारण यह संभव नहीं था। ऐसे में उसने गर्लफ्रेंड को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया और उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी।

आर्म्स एक्ट के स्थायी वारंटी भीकम को मगरौनी पुलिस ने तीन वर्ष बाद किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। चौकी मगरौनी थाना नरवर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के प्रकरण में पिछले तीन वर्ष से फरार चल रहे स्थायी वारंटी भीकम कुशवाह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 90/22 धारा 25(बी) आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज था और वह लंबे समय से न्यायालय की पहुँच से बाहर था। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थ जुआ-सट्टा अवैध हथियार एवं सामान्य मारपीट संबंधी अपराधों में फरार चल रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। इसी निर्देश के पालन में अपर पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

06 दिसंबर को पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी भीकम (उम्र 22 वर्ष) निवासी खारा कुआँ निजामपुर मगरौनी बस स्टैंड पर मौजूद है। इस पर चौकी मगरौनी व थाना नरवर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय करैरा शिवपुरी में पेश किया गया। कार्रवाई में निरीक्षक विनय यादव थाना प्रभारी नरवर उपनिरीक्षक प्रियंका शुक्ला चौकी प्रभारी मगरौनी सहायक उपनिरीक्षक दिनेश यादव प्र. आर. 603 भूपेंद्र गुप्ता आर. 100 अनिल चतुर्वेदी आर. 944 सचिन यादव तथा आर. 582 रविंद्र भास्कर आर. 483 राघवेन्द्र तोमर की विशेष भूमिका रही।

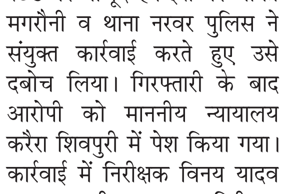

खंडवा में डिलीवरी ब्वॉय ने इयरफोन लगाकर फांसी लगाई

खंडवा, एजेंसी। कान में ब्लूटूथ इयरफोन लगाकर एक युवक फांसी के फंदे पर लटक गया। वह ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी के लिए डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। ड्यूटी खत्म होने के बाद देर रात वह घर लौटा था। आज रविवार सुबह परिजन ने उसे कमरे में फांसी पर लटका देखा। मामले की सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा हैं। मामला खंडवा जिले के मूंदी नगर के घोड़ाघाट क्षेत्र का है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय नारायण वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मृतक नारायण के पिता हुकुम वर्मा लकवाग्रस्त है। नारायण की शादी नहीं हुई थी। वह उनकी इकलौती संतान होकर देखभाल में लगा था। कुछ सालों से वह बीड़ रोड़ स्थित एक सेंटर पर नौकरी करता था, जहां से ऑनलाइन ऑर्डर पर आने वाले सामान को ग्राहकों के घर जाकर डिलीवरी करता था।

मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला : मृतक नारायण अपने काम से रोजाना की तरह शनिवार को भी रात 11 बजे घर आया था। आज (रविवार) सुबह परिजन ने देखा कि घर के बीच वाले कमरे में नारायण पंखे पर फांसी के फंदे से लटका हुआ हैं। तब घर में हाहाकार मच गया। मोहल्ले वाले पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे एसआई उमेश लाखरे व एएसआई एसएस मुजाल्दे ने पंचनामा बनाया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। एसआई लाखरे के अनुसार, मौके पर पुलिस को किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

छतरपुर में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में शनिवार देर रात नेशनल हाईवे पर हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना भगवा थानांतर्गत घुवारा चौकी क्षेत्र के देवीनगर के पास हुई। जानकारी के अनुसार, पठराई निवासी 35 वर्षीय मुकेश पाल और टीकमगढ़ जिले के कुड़ीला निवासी 30 वर्षीय गोकुल पाल एक ही मोटरसाइकिल (MP36MK6712) पर सवार होकर दलीपुर से तेरहवीं का निमंत्रण कर अपने घर लौट रहे थे।

सागर-टीकमगढ़ हाईवे पर देवीनगर पेट्रोल पंप के पास मुख्य सड़क पर घुवारा से शाहगढ़ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुकेश पाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गोकुल पाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी घुवारा ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए टीकमगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घुवारा पुलिस ने अज्ञात पिकअप वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन की तलाश शुरू कर दी है। डॉक्टर रमाकांत तिवारी ने बताया कि एक व्यक्ति को मृत अवस्था में लाया गया था, जबकि घायल व्यक्ति को टीकमगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया है और उसकी हालत गंभीर है।

मंदसौर में सड़क हादसे में दंपती की मौत:डंपर ने बाइक को टक्कर मारी

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के भावगढ़-दलौदा रोड पर एक सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। यह घटना रविवार को तब हुई जब एक डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दलौदा थाना क्षेत्र के पाडलियालाल मुंहा निवासी गोपालसिंह राजपूत (45) अपनी पत्नी प्रेमकुंवर (42) के साथ बाइक (एमपी 14 एमई 3071) से भावगढ़ थाना क्षेत्र के धंधोड़ा गांव स्थित खेत से घर लौट रहे थे। मजेसरा पुलिया के समीप एक अनियंत्रित डंपर (एमपी 14 एचसी 0437) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गोपालसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। प्रेमकुंवर ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। दंपती की दो बेटियां हैं, जिनकी शादी अगले माह जनवरी में होने वाली थी।

पानी डालते ही भड़की क्लोरीन गैस, 3 दमकल कर्मचारी गंभीर फैक्ट्री सील, संचालक पर सुरक्षा उपकरण नहीं रखने का केस दर्ज

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले के जावरा इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार रात एक फैक्ट्री में क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने सिलेंडर पर पानी डाल दिया, जिससे गैस का असर कम होने के बजाय और तेज हो गया। इससे 3 दमकल कर्मचारी समेत 5 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। तीनों दमकल कर्मियों को रतलाम मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। रिसाव बंद करने के लिए रतलाम से इप्का फैक्ट्री और नागदा से टेक्निकल टीम बुलाई गई, जिन्होंने हालात पर काबू पाया। औद्योगिक थाना पुलिस ने फैक्ट्री संचालक साहित्य पिता अब्दुल रहीम खान निवासी भगत गली जावरा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गैस रिसाव होने व फैक्ट्री में सुरक्षा उपकरण नहीं होने के आरोप में मामला दर्ज हुआ है।

अब जानिए कैसे हुआ रिसाव और कैसे भड़की आग : फायर लॉरी के ड्राइवर कुलदीप गहलोत के मुताबिक, गैस रिसाव की सूचना पर हम रात 7.30 बजे पहुंचे। वहां मौजूद जवानों ने गाड़ी अंदर ले जाने को कहा। हमने पानी की फायरिंग स्टार्ट की। मेरे एक साथी ने गाड़ी के ऊपर से सिलेंडर पर पानी का छिड़काव किया। पानी गिरते ही गैस का रिसाव तेज हो गया। हमें घुटन और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। आंखों में जलन होने लगी। हमारे पास सुरक्षा के कोई साधन नहीं थे, केवल मास्क लगा रखा था। हालात बिगड़ने पर हम बाहर आ गए।

पानी के संपर्क में आते ही गैस भाप बन गई : मकल कर्मचारी बालाराम के अनुसार, पानी का छिड़काव किया तो ऐसा लगा कि गैस भाप बन गई। अधिकारी व पुलिस वाले बाहर थे। हम तीन लोग अंदर गए थे। सुरक्षा को लेकर कोई साधन नहीं हैं। केवल मास्क पहन रखा था।

कुलदीप और बालाराम के अलावा दमकलकर्मी पुष्कर देवरिया को भी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। रात में ही कलेक्टर मिशा सिंह और एसपी अमित कुमार ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली।

तीन दमकल कर्मियों के अलावा फैक्ट्री के दो अन्य कर्मचारियों को भी सांस लेने में तकलीफ हुई। उन्हें जावरा के प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। पांचों की हालत स्थिर बताई जा रही है। मौके पर एसडीईआरएफ (SDERF) की टीम को भी तैनात किया गया था।

पता नहीं था कि कंट्रोल करें, कर्मचारी भाग गए : प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस फैक्ट्री में रिसाव हुआ, वहां फेरिक सल्फेट पाउडर बनाया जाता है। फैक्ट्री में सुरक्षा के कोई साधन नहीं थे। जब सिलेंडर से गैस रिसाव हुआ तो वहां मौजूद तीन कर्मचारी इसे रोक नहीं पाए। उन्हें नहीं पता था कि रिसाव कैसे कंट्रोल करें, इसलिए वे मौके से भाग गए। बाद में प्रशासन ने मोर्चा संभाला।

विधायक ने पूछा- गैस रिसाव बंद करने की क्या व्यवस्था है : ठजावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय विधानसभा सत्र से लौटकर सीधे मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद फैक्ट्री कर्मचारी और संचालक की क्लास ली। विधायक ने पूछा कि गैस रिसाव बंद करने की क्या व्यवस्था है और इंजीनियर कौन है? इस पर कोई जवाब नहीं मिला। एक कर्मचारी ने बताया कि रॉ मटेरियल का सिलेंडर 30 साल पुराना है। विधायक ने अधिकारियों को फैक्ट्री संचालक पर कार्रवाई करने को कहा है। फैक्ट्री किसी खान की बताई जा रही है।

8 महीने पहले भी फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ : जावरा में 9 अप्रैल 2025 (8 माह पूर्व) को भी आंटिया चौराहे स्थित पोरवाल आइस फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था, तब तत्कालीन सीएसपी और उनके परिवार पर भी इसका असर हुआ था। उस समय जांच में फैक्ट्री मालिक के पास संचालन के वैध दस्तावेज और प्रदूषण बोर्ड का लाइसेंस नहीं मिला था।

शराब से लदी जीप ने भैंसों को टक्कर मारी

सतना में विरोध किया तो पर मालिक-बेटे की पिटाई, फोन छीना

सतना, एजेंसी। सतना जिले के कोलगवां थाना क्षेत्र के मटेहना बायपास पर शुक्रवार रात अवैध शराब से भरी एक जीप ने दो भैंसों को टक्कर मार दी। हादसे में एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। भैंसों के मालिक द्वारा विरोध जताने पर शराब ठेकेदार से जुड़े गुर्गों ने मालिक और उसके बेटे की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो रविवार को सामने आया, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित प्रिंस गौतम, निवासी नीमी, ने बताया कि रात करीब 10 बजे उनकी दो भैंसें घर नहीं लौटीं। जब वे तलाश करते हुए मटेहना बायपास पहुंचे, तो दोनों भैंसें सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ी थीं। पास ही शराब की कई टूटी बोतलें और दुर्घटनाग्रस्त जीप खड़ी थी, जो अवैध शराब की पैकारी में उपयोग की जा रही थी। एक भैंस की मौत हो चुकी थी, जबकि दूसरी तड़प रही थी।

लाठी से जमकर पिटाई की: प्रिंस ने तत्काल पिता उमेश गौतम और चचेरे भाई प्रदीप को सूचना दी। जब वे दुर्घटना के सबूत के तौर पर जीप की तस्वीरें लेने लगे तो वाहन में मौजूद आरोपी उनसे भिड़ गए। इसी बीच प्रिंस के पिता और प्रदीप वहां पहुंचे और बीच-बचाव कराया। आरोपी इसके बाद क्षतिग्रस्त जीप लेकर वहां से निकल गए।

कुछ देर बाद प्रिंस और प्रदीप पास के पेट्रोल पंप पर खड़े थे, तभी बोलेरो जीप में सवार लगभग 8-10 आरोपी वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए प्रिंस का मोबाइल छीन लिया। आरोपियों ने मोबाइल में मौजूद वीडियो और फोटो डिलीट कर दिए। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने प्रदीप की लाठी से जमकर पिटाई की। यह पूरी घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की जानकारी ग्रामीणों को मिली तो वे बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। भीड़ को आता देख आरोपी बाइक और मोबाइल छोड़कर फरार हो गए। बाइक को गांव में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और मुआवजा दिलाने की मांग की है। कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी के अनुसार, शिकायत प्राप्त हो चुकी है और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सागर में 100 क्विंटल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

नया बाजार में गोदाम पर छापा निगमायुक्त बोले- इससे कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही

सागर, एजेंसी। सागर के नया बाजार स्थित सिंधी मार्केट में शनिवार रात नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की। निगमायुक्त राजकुमार खत्री के नेतृत्व में टीम ने एक थोक व्यापारी हीरा की दुकान और गोदाम पर छापा मारा। यहां से करीब 100 क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक और अमानक पॉलीथिन जब्त की गई है। निगमायुक्त ने व्यापारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक का न तो उपयोग करें और न ही बिक्री करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई होगी।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण : निगमायुक्त खत्री ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बावजूद शहर में इसका उपयोग हो रहा है। इसे रोकने के लिए निगम लगातार जागरुकता अभियान चला रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक और डिस्पोजल जीवन के लिए घातक हैं। इसके माइक्रो प्लास्टिक शरीर में पहुंचकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां पैदा करते हैं। यदि इसका उपयोग पूरी तरह बंद हो जाए, तो बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है। जब्त पॉलीथिन को नष्ट कराया जाएगा और मामले की जांच जारी है।

कपड़े के थैले और कागज के पैकेट को बढ़ावा दें: कार्रवाई के दौरान निगमायुक्त ने नया बाजार के थोक व्यापारियों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि वे आगे से सिंगल यूज प्लास्टिक का व्यापार न करें, बल्कि कपड़े के थैले और कागज के पैकेट के उपयोग को बढ़ावा दें। जरूरत पड़ने पर सेल्फ हेल्प ग्रुप और गृह उद्योगों के जरिए ये विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि थोक में इसकी उपलब्धता खत्म होगी, तो यह घरों तक नहीं पहुंचेगी, जिससे शहर स्वच्छ और सुरक्षित बनेगा।

सीहोर में लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़ :शादी के नाम पर युवक से 1.71 लाख की ठगी

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले के भेरूंदा तहसील के ग्राम राला में एक लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़ हुआ है। इस गैंग ने शादी के नाम पर एक युवक से 1 लाख 71 हजार रुपए की ठगी की। राला निवासी सचिन गुप्ता को प्रेम और शादी का झांसा देकर गैंग ने ठगी का शिकार बनाया। एक दलाल के माध्यम से रिश्ता तय किया गया था। गैंग ने वीडियो कॉल के जरिए लड़के को पसंद किया। लुटेरी दुल्हन की पहचान रानी के रूप में हुई है। इंदौर की संस्था के माध्यम से यह शादी करवाई गई थी। शादी के दो दिन बाद दुल्हन की तथाकथित भाभी एक कार लेकर पहुंची। उसने अपना चेहरा दिखाने से इनकार कर दिया और सवाल पूछने पर परिवार के सदस्यों से गालीगलौज की। इससे ग्रामीणों को शक हुआ। ग्रामीणों ने सक्रियता दिखाते हुए महिलाओं और ड्राइवर को भागने से पहले ही पकड़ लिया। ग्रामीणों की सतर्कता से गैंग के मंसूबे नाकाम हो गए। भीड़ इकट्ठा होने पर तीनों आरोपियों को भेरूंदा थाने ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ठगी के पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। भेरूंदा पुलिस लुटेरी दुल्हन समेत गैंग के अन्य सदस्यों से पूछताछ कर रही है, जिससे और खुलासे होने की संभावना है।

रीवा-मुंबई के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन:इटारसी होकर एक ट्रिप चलेगी, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

इटारसी,एजेंसी। त्योहारी सीजन और साल के अंत में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने रीवा से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन इटारसी होकर चलाई जाएगी, जिससे मंडल के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

रेलवे के अनुसार, यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में एक-एक बार चलेगी। रीवा से यह ट्रेन 07 दिसंबर 2025 को और सीएसएमटी से 08 दिसंबर 2025 को रवाना होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें लगभग सभी श्रेणियों के 24 कोच लगाए जा रहे हैं, ताकि अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

स्पेशल ट्रेन संख्या 02185 रीवा-सीएसएमटी रविवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 3:50 बजे (15:50) प्रस्थान करेगी। यह इटारसी में रात 11:20 बजे (23:20) पहुंचेगी और अगले दिन दोपहर 12:20 बजे मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 02186 सीएसएमटी रीवा स्पेशल ट्रेन सोमवार को सीएसएमटी से दोपहर 1:30 बजे (13:30) रवाना होगी। यह अगले दिन तड़के 2:50 बजे (02:50) इटारसी पहुंचेगी और सुबह 10:40 बजे रीवा पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन का ठहराव सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, नासिक और कल्याण जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। रेल प्रशासन ने बताया कि यह ट्रेन ट्रैफिक लोड और कोच उपलब्धता को देखते हुए यात्रियों के लिए उपयोगी

दमोह में तीन नाबालिग छात्राएं लापता स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी

दमोह, एजेंसी। दमोह शहर के सरदार पटेल हाई स्कूल में पढ़ने वाली तीन नाबालिग छात्राएं लापता हो गई है। शनिवार शाम जब छात्राएं घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की और देर रात पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पूरे शहर के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए इसके साथ ही स्टेशन का भी निरीक्षण किया। लेकिन छात्राओं नहीं मिली। शनिवार को सरदार पटेल हाई स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा नवमी की तीन छात्राएं स्कूल नहीं पहुंचीं, जिससे उनके परिजनों की चिंता बढ़ गई। सभी छात्राएं घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं।

तीनों छात्राएं घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने तलाश शुरू की : जानकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षकों ने जब छात्राओं की गैरहाजिरी देखी तो परिजनों को सूचना दी। एक छात्रा के भाई ने बताया कि वह अपनी बहन को स्कूल छोड़कर आया था। जब वह स्कूल पहुंचा तो शिक्षकों ने बताया कि उसकी बहन सहित दो अन्य छात्राएं भी स्कूल नहीं आई थीं। अन्य छात्राओं के परिजनों से संपर्क करने पर पता चला कि एक छात्रा घर पर ही थी, जबकि एक अन्य छात्रा स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। शाम तक इंतजार करने के बाद भी जब तीनों छात्राएं घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने तलाश शुरू की। देर रात तक कोई सुराग नहीं लगने पर कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तीनों छात्राओं की गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने शहर और रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले : सीएसपी एचआर पांडे और कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। इसके बाद रेलवे स्टेशन पहुंचकर प्लेटफार्म सहित आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। सीएसपी एचआर पांडे ने बताया कि तीनों छात्राओं की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है और उनकी तलाश लगातार जारी है। परिजनों से भी लगातार संपर्क में रखा जा रहा है।वहीं स्कूल की प्राचार्य सुलक्षणा हजारी ने बताया कि पिछले दो दिनों से उक्त छात्राएं इसी तरह स्कूल से गैरमौजूद थीं। शनिवार को भी जब वे स्कूल नहीं पहुंचीं तो परिजनों को सूचना दी गई थी। उन्होंने बताया कि स्कूल स्तर पर भी छात्राओं की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

तीनों छात्राओं का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं : घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली तीनों छात्राओं का बीते 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। जानकारी के अनुसार, तीनों छात्राएं कल सुबह करीब 11 बजे घर से निकली थीं। इनमें दो छात्राएं कक्षा नौवीं और एक छात्रा कक्षा दसवीं में पढ़ाई कर रही है। शनिवार रात कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित शहर के विभिन्न इलाकों में गश्त कर तलाश की, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इस दौरान यह आशंका भी जताई गई कि छात्राएं गोंडवाना एक्सप्रेस से ग्वालियर की ओर जा सकती हैं, जिसके आधार पर खोजबीन और तेज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी स्वयं कोतवाली थाने पहुंचे। वहां सीएसपी एच. पाण्डेय और कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार के साथ लगातार बैठकों के जरिए तलाश और आगे की कार्रवाई को लेकर रणनीति बनाई जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने बैरिकेड्स तोड़े, तीन राहगीर घायल

मैहर, एजेंसी। मैहर थाना क्षेत्र के रेलवे ब्रिज के पास शनिवार रात एक तेज रफ्तार कार (MP 19 CC 9354) ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़ दिया। बेकाबू कार ने सड़क किनारे रखे सामान और एक खड़ी स्कूटी को टक्कर मारी, जिसके बाद तीन राहगीरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीनों लोग घायल हो गए।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मैहर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर लिया। कार के अंदर से शराब की एक बोतल भी बरामद हुई है, जिससे नशे में ड्राइविंग की आशंका जताई जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि यह कार सतना जिले के नागौद निवासी शिवम उर्मालिया के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस अब फरार आरोपी चालक की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह क्षेत्र आमतौर पर भीड़भाड़ वाला रहता है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ कुलदीप यादव का चौका, वनडे फॉर्मेट में रच दिया इतिहास

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव किसी एक टीम के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक 4 विकेट हॉल हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारत ने शनिवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में जारी तीसरे वनडे मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम को 270 रन पर रोक दिया। इस पारी में भारत के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने 10 ओवरों में 41 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। इस पारी के साथ कुलदीप यादव वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक 4 विकेट हॉल हासिल करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। कुलदीप ने 11 मौकों पर यह कारनामा किया है। इस लिस्ट में कुलदीप से आगे मोहम्मद शमी (16 बार) और अजीत अगरकर (12) हैं। यह कुलदीप यादव का साउथ अफ्रीका के विरुद्ध पांचवां 4 विकेट हॉल था, जो वनडे में किसी भी टीम के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सर्वाधिक 4 विकेट हॉल का रिकॉर्ड है। जहीर खान जिम्बाब्वे के विरुद्ध और मोहम्मद शमी वेस्टइंडीज के खिलाफ चार-चार बार यह कारनामा कर चुके हैं।

इस मुकाबले की बात करें, तो भारत ने लंबे वक्त बाद वनडे फॉर्मेट में टॉस जीता। मेजबान टीम ने साउथ अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

साउथ अफ्रीकी टीम ने पांचवीं गेंद पर ही रयान रिकेल्टन का विकेट गंवा दिया। रिकेल्टन अपना खाता तक नहीं खोल सके। यहां से कप्तान टेंबा बावुमा बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने क्विंटन डी कॉक के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 114 के स्कोर तक पहुंचाया। बावुमा ने 67 गेंदों में 5 चौकों के साथ 48 रन की पारी खेली।

यहां से क्विंटन डी कॉक ने मोर्चा संभाला। उन्होंने मैथ्यू ब्रीत्जके के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 गेंदों में 54 रन की साझेदारी करते हुए स्कोर को 168 रन तक पहुंचाया।

ब्रीत्जके ने टीम के खाते में 24 रन का योगदान दिया, जबकि देवाल्ड ब्रेविस ने 29 रन टीम के खाते में जोड़े। साउथ अफ्रीका की तरफ से क्विंटन डी कॉक ने 89 गेंदों में सर्वाधिक 106 रन बनाए। उनकी इस पारी में 6 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। इनके अलावा, केशव महाराज ने नाबाद 20 रन टीम के खाते में जोड़े।

टीम इंडिया की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने 4-4 विकेट हासिल किए, जबकि अर्शदीप सिंह और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में यह मुकाबला जीतने वाली टीम सीरीज को अपने नाम करेगी।

तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले छठे भारतीय बने यशस्वी जायसवाल

विशाखापत्तनम, एजेंसी। अपने वनडे करियर के चौथे ही मुकाबले में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध तीसरे वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेली, जिसके साथ वह तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले छठे भारतीय बन गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट फॉर्मेट में 7 शतक जमाए हैं, जबकि टी20 क्रिकेट में उनके नाम 1 शतक दर्ज है। यशस्वी जायसवाल से पहले सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में अपना नाम शामिल करवा चुके थे। यशस्वी जायसवाल ने एसीए–वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में 121 गेंदों का सामना किया, जिसमें 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 116 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 155 रन जुटाए, जबकि विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल की इस शानदार पारी के दम पर भारत ने तीसरे वनडे मुकाबले को 9 विकेट से जीतकर तीन मुकाबलों की सीरीज 2–1 से अपने नाम की।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित-जायसवाल का तूफान, टूटने से बचा तेंदुलकर-गांगुली का महारिकॉर्ड

विशाखापत्तनम, एजेंसी। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एसीए–वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने 155 रन की साझेदारी की, लेकिन ये जोड़ी सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गई। यह साउथ अफ्रीका के विरुद्ध वनडे इतिहास में पहले विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी भारतीय साझेदारी का रिकॉर्ड है। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली शीर्ष पर हैं, जिनके बीच 5 अक्टूबर 2001 को जोहान्सबर्ग में खेले गए वनडे मुकाबले में पहले विकेट के लिए 193 रन की साझेदारी हुई थी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड गैरी कर्स्टन और हर्शल गिब्स के नाम पर है, जिन्होंने 9 मार्च 2000 को कोच्चि में पहले विकेट के लिए 235 रन जोड़े थे। वहीं, भारत की तरफ से विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ ने 3 दिसंबर 2025 को तीसरे विकेट के लिए 195 रन जोड़े थे। ऐसा 10वीं बार था, जब भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 100 से ज्यादा रन की ओपनिंग साझेदारी हुई।

रोहित शर्मा वनडे फॉर्मेट में पहले विकेट के लिए अब तक 35 बार शतकीय साझेदारी का हिस्सा रहे हैं। इस फेहरिस्त में उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (40) हैं। विशाखापत्तनम में खेले जा रहे इस मुकाबले की बात करें, तो साउथ अफ्रीकी टीम 47.5 ओवरों में 270 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए क्विंटन डी कॉक ने सर्वाधिक 106 रन बनाए। उनकी इस पारी में 6 छक्के और 8 चौके शामिल रहे, जबकि कप्तान टेंबा बावुमा ने 67 गेंदों में 48 रन की पारी खेली।

टेंबा बावुमा ने वनडे क्रिकेट में 2,000 रन पूरे किए

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने भारत के खिलाफ विशाखापत्तनम में सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में करियर में एक खास उपलब्धि हासिल की। बावुमा ने वनडे करियर में अपने 2,000 रन पूरे कर लिए। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के 22वें बल्लेबाज हैं। विशाखापत्तनम वनडे में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे टेंबा बावुमा ने 67 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 48 रन की पारी खेली। पारी के दौरान 13वां रन बनाते ही बावुमा के वनडे में 2,000 रन पूरे हो गए। बावुमा के 55 मैचों की 53 पारियों में 5 शतक और 8 अर्धशतक की मदद से 2,035 रन हो गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन जैक कैलिस के नाम है। 1996 से 2014 के बीच 323 मैचों की 309 पारियों में 53 बार नाबाद रहते हुए 17 शतक और 86 अर्धशतक की मदद से कैलिस ने 11,550 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स हैं। एबी के नाम 223 मैचों में 25 शतक और 52 अर्धशतक की मदद से 9,427 रन बनाए।

टेंबा बावुमा के पास बतौर कप्तान भारत में सीरीज जीतकर इतिहास दोहराने का मौका है। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत में सिर्फ 1 ही बार वनडे सीरीज जीती है। 2015-16 में 5 वनडे मैचों की सीरीज दक्षिण अफ्रीका ने 2-3 से जीती थी। उस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एबी डिविलियर्स थे। बावुमा के पास डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए भारत में वनडे सीरीज जीतने वाले दूसरे दक्षिण अफ्रीकी कप्तान बनने का मौका है।

वनडे सीरीज से पहले 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी। टेंबा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज 0-2 से जीती थी। 2000 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब दक्षिण अफ्रीका ने भारत का टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ किया। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका से तीसरे वनडे में भारतीय टीम को सावधान रहना होगा।

ब्रिस्बेन टेस्टः दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी फ्लॉप, ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में मुकाबला

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में जारी एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। मुकाबले के तीसरे दिन की समाप्ति तक इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी महज 134 रन तक 6 विकेट गंवा चुकी है। मुकाबले में अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पास 43 रन की बढ़त शेष है। पिंक बॉल टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 334 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम महज 5 रन तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जैक क्रॉली ने जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रन जोड़ते हुए टीम को संभाला। इंग्लैंड की तरफ से इस पारी में जो रूट ने 206 गेंदों में 1 छक्के और 15 चौकों के साथ 138 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा, जैक क्रॉली ने 76 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर ने इस पारी में 38 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 511 रन बना दिए। इस इनिंग में मिचेल स्टार्क ने सर्वाधिक 77 रन बनाए, जबकि जैक वेदरलैंड ने 72 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने 65 रन, एलेक्स कैरी ने 63 रन, जबकि कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए।

इस पारी में इंग्लैंड की तरफ से ब्रायडन कार्स ने सबसे अधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स ने 3 विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 177 रन की बढ़त थी। मुकाबले के तीसरे दिन इंग्लैंड की टीम दबाव में नजर आई।

इंग्लैंड की दूसरी पारी में बेन डकेट और जैक क्रॉली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। डकेट 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रॉली ने ओली पोप के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 रन जुटाते हुए टीम को 90 के स्कोर तक पहुंचाया। जैक क्रॉली 59 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ओली पोप ने 26 रन टीम के खाते में जोड़े। दिन की समाप्ति तक कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 4-4 रन बनाकर नाबाद थे। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इस पारी में मिचेल स्टार्क, माइकल नेसेर और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से अपने नाम किया था। ऐसे में मेजबान टीम इस मुकाबले को जीतकर 5 मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल करना चाहेगी।

हमने दबाव को बहुत अच्छी तरह से संभाला, प्रसिद्ध-कुलदीप ने शानदार गेंदबाजी की: केएल राहुल

विशाखापत्तनम, एजेंसी। केएल राहुल की कप्तानी में भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2–1 से अपने नाम की। टीम इंडिया ने शनिवार को एसीए–वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में 9 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की, जिसके बाद कप्तान ने प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव की शानदार गेंदबाजी को सराहा। भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को 47.5 ओवरों में 270 रन पर समेटा। इस दौरान प्रसिद्ध कृष्णा ने 9.5 ओवरों में 66 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि कुलदीप यादव ने 10 ओवरों में 41 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में भारत ने यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116), रोहित शर्मा (75) और विराट कोहली (नाबाद 65) की शानदार पारियों के दम पर 39.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

जीत के बाद केएल राहुल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि टॉस के बाद टीम ने मुझे कभी इतनी गर्व भरी नजरों से देखा होगा। शुरुआती दो मुकाबलों में हमें मुश्किल हालात मिले थे, इसलिए इस मुश्किल आउटफील्ड पर गेंदबाजों को ब्रेक देकर अच्छा लगा। यह विकेट अच्छा था। हम जानते हैं कि जिन टीमों के खेलने का अंदाज आक्रामक होता है, वे या तो 400 के स्कोर का पीछा कर सकती हैं या फिर आक्रामक शॉट खेलकर आउट हो सकती हैं। कप्तान ने प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव की सराहना करते हुए कहा, प्रसिद्ध कृष्णा ने महत्वपूर्ण विकेट लिए और फिर कुलदीप यादव ने भी शानदार गेंदबाजी की। इसी तरह आप वनडे में विपक्षी टीमों को रोकते हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः रियान पराग की टीम असम की करारी हार, ओडिशा 73 रन से जीती

लखनऊ, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अंतर्गत असम और ओडिशा के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शनिवार को मुकाबला खेला गया। इस मैच में रियान पराग की कप्तानी वाली असम को करारी हार का सामना करना पड़ा। असम के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। ओडिशा ने 4 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए। ओडिशा की तरफ से सबसे ज्यादा 51 रन विकेटकीपर बल्लेबाज आशीर्वाद स्वेन ने बनाए। आशीर्वाद ने 28 गेंद पर 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली। वह नाबाद रहे। उनके साथ कप्तान बिपल्ब सामंत्रे 32 गेंद पर 43 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 50 गेंदों में 96 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी की बदौलत ही 75 पर 4 विकेट गंवा चुकी ओडिशा 171 तक पहुंच सकी। असम के लिए अब्दुल अजीज कुरैशी ने 2, मुख्तार हुसैन और अविनव चौधरी ने 1-1 विकेट लिए। 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी असम की बल्लेबाजी ओडिशा की घातक गेंदबाजी के सामने पूरी तरह बिखर गई। सुमित घडिगांवकर और रियान पराग ही दो अंकों में पहुंच सके। घडिगांवकर पारी की शुरुआत करने आए थे। वह 33 गेंद पर 2 छक्के और 2 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। वहीं रियान पराग 19 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। ओडिशा के कप्तान सामंत्रे ने 1 ओवर में 2 रन देकर 3 विकेट लिए। बादल बिस्वाल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। सौम्य रंजन लेंका, राजेश मोहंती, सर्बेश्वर मोहंती और प्रयास सिंह ने 1-1 विकेट लिए। आशीर्वाद स्वेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जीत के बाद ग्रुप ए में ओडिशा चौथे स्थान पर पहुंच गई है। ओडिशा ने 6 मैचों में 3 जीत हासिल की है जबकि 3 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।

सीएम ने सिमू दास को सौंपा 10 लाख का चेक, सरकारी नौकरी का भी वादा

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत की ब्लाइंड क्रिकेट स्टार सिमू दास को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इसी के साथ उन्होंने विश्व कप विजेता खिलाड़ी को सरकारी नौकरी का वादा भी किया। सिमू, बी1 (पूरी तरह से ब्लाइंड) कैटेगरी की क्रिकेटर हैं, जिन्होंने ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सिमू जन्म से ही नेत्रहीन हैं। कच्चे मकान में सिमू का बचपन बेहद मुश्किल हालात में गुजरा। सिमू की तरह उनका भाई भी देखने में सक्षम नहीं है। ऐसे मुश्किल हालात में मां ने पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने बेटी को तमाम चुनौतियों से लड़ना सिखाया। पक्के इरादे के साथ सिमू ने न सिर्फ भारत की तरफ से खेलने का अपना सपना पूरा किया, बल्कि आज वह एक विश्व कप विजेता भी हैं। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और सपोर्टनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड ने इस बड़े फैसले के लिए असम सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का शुक्रिया अदा किया है।

क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के अध्यक्ष डॉ. जीके महंतेश ने कहा, यह न सिर्फ सिमू की प्रतिभा और लगन का इनाम है, बल्कि भारत में ब्लाइंड क्रिकेट के लिए एक टर्निंग प्वाइंट भी है। माननीय मुख्यमंत्री की सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता पूरे देश को एक मजबूत संदेश देती है। हम इस बदलाव लाने वाले काम के लिए बहुत शुक्रगुजार हैं, जो अनगिनत दृष्टिबाधित लड़कियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगा। सिमू दास ने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे भावुक दिन है। मैं एक ऐसे परिवार से हूं, जिसने हर चीज के लिए जद्दोजहद किया है। सरकारी नौकरी की घोषणा और माननीय मुख्यमंत्री से मिले इस सम्मान ने मुझे एक नई जिंदगी और एक नई पहचान दी है। मैं उनका दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। मैं माननीय प्रधानमंत्री के प्रति भी अपना सम्मान जताती हूं, जिनके नेतृत्व में मुझ जैसे लाखों लोगों को अपने हालात से ऊपर उठने की उम्मीद मिली है। मैं क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया और समर्थनम ट्रस्ट को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे खोजा और मुझे यहां तक पहुंचने के लिए ट्रेनिंग दी।

पंजाब के पहलवानों ने भारतीय कुश्ती फेडरेशन की मनमर्ज़ियों के खिलाफ झंडा बुलंद किया

चंडीगढ़, एजेंसी। कुश्ती खेल और पहलवानों के साथ नाइंसाफी करने के बाद भारतीय कुश्ती फेडरेशन अब राज्यों की कुश्ती एसोसिएशनों के साथ भी दबंगई पर उतर आया है। फेडरेशन जबरन एसोसिएशनों को भंग कर अपनी मनमानी से नए मनगढ़ंत सदस्य बनाकर चुनाव करवाने की कोशिश कर रहा है, जिसका पूरा कुश्ती जगत कड़ा विरोध कर रहा है। यह बात पंजाब कुश्ती एसोसिएशन के लाइफ प्रेसीडेंट तथा पद्मश्री ओलंपियन पहलवान करतार सिंह ने आज यहां चंडीगढ़ प्रेस क्लब में विभिन्न जिला कुश्ती एसोसिएशनों के पदाधिकारियों और पहलवानों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही।

करतार सिंह ने आगे बताया कि बृज भूषण सिंह और संजय सिंह की अगुवाई वाली भारतीय कुश्ती फेडरेशन ने हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में दबंगई करते हुए नई एसोसिएशनें बनाई। अब पंजाब में हमारी एसोसिएशन को भंग करके एडहॉक कमेटी ने 9 दिसंबर को चुनाव घोषित किया है, जिसके लिए उन्होंने 46 वोटर सदस्यों में से 36 को निकालकर अपने चहेते नए सदस्यों को वोटर बना दिया है। इन नए लोगों का न तो कुश्ती से कोई संबंध है और न ही वे किसी जिला एसोसिएशन के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि इस दबाव और अन्याय के खिलाफ 9 दिसंबर को होने वाले चुनाव के विरुद्ध माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका भी दायर की गई है।

फेडरेशन की दबंगई के बारे में और बताते हुए करतार सिंह ने कहा कि पंजाब कुश्ती एसोसिएशन के चुनाव जुलाई 2022 में हुए थे, जिनकी चार वर्ष की अवधि जुलाई 2026 तक है। लेकिन फेडरेशन ने अपने चहेतों को आगे लाने के लिए बहानेबाज़ी करते हुए पत्र जारी किए और अगस्त महीने में एसोसिएशन को भंग कर जय प्रकाश की अगुवाई में तीन सदस्यीय एडहॉक कमेटी बना दी, जिसमें अन्य दो सदस्य उमेद सिंह और सत्यपाल सिंह देशवाल हैं। एडहॉक कमेटी ने 9 दिसंबर को चुनाव घोषित करते हुए 46 वोटर सदस्यों में से 36 को बदलकर अपने पसंदीदा लोगों को शामिल कर लिया।एसोसिएशन ने एड हॉक कमेटी और रिटर्निंग ऑफिसर को 46 मेंबर की लिस्ट दी थी, लेकिन कमेटी ने अपनी मर्ज़ी से चुनाव करवाने के लिए 36 वोटिंग मेंबर बदल दिए।

1 समिति को 2 खरीदी केंद्र, किसान भुगत रहे खामियाजा

स्लॉट बुक कर पहुंचे किसान, केंद्र पर प्रबंधक-प्रभारी नदारद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा सहकारी समिति बारापत्थर की लापरवाही से किसानों को धान उपार्जन में भारी परेशानी हो रही है। जिला प्रशासन ने समिति को हनुमान वेयर हाउस खैरूआ और श्रीराम वेयर हाउस सिंहपुर, दो स्थानों पर खरीदी केंद्र संचालित करने का जिम्मा सौंपा है।

खैरूआ केंद्र पर सहायक प्रबंधक आशीष रैकवार ने धान उपार्जन शुरू कर दिया है, लेकिन सिंहपुर स्थित श्रीराम वेयर हाउस में खरीदी अब तक शुरू नहीं हो पाई है। सिंहपुर केंद्र पर धान बेचने के लिए दर्जनों किसानों ने स्लॉट बुक किए थे, लेकिन केंद्र चालू न होने से उनके मैसेज

एक्सपायर होने की कगार पर हैं।

किसानों को आशंका है कि स्लॉट की वैधता समाप्त होने पर उन्हें नई बुकिंग के लिए फिर से परेशानी उठानी पड़ेगी। इसके अलावा, खरीदी में देरी से धान की गुणवत्ता और कीमत पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। केंद्र बंद होने के कारण किसानों को खुले आसमान के नीचे घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। कई किसानों ने शिकायत की है कि उन्हें खरीदी शुरू होने की कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

वारदाना भी बिना किसी सुरक्षा के खुले में रखा है, जिससे चोरी या खराब होने का खतरा है। किसानों का कहना है कि प्रशासन द्वारा जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से दिए जाने के बावजूद समिति ने समय पर तैयारी नहीं की। इस देरी से उपार्जन व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों को सीधा नुकसान हो रहा है। किसानों ने जिला प्रशासन से सिंहपुर केंद्र को तुरंत शुरू करने, स्लॉट एक्सपायर होने की समस्या से राहत देने और वारदाना की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि उपार्जन सुचारू रूप से हो सके।

कोठी में सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य
मुख्य अतिथि राज्यमत्री ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ रविवार को ठाकुर रणमत सिंह स्टेडियम कोठी में मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी द्वारा विधिवित किया गया। इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल सहित खिलाड़ी, खेलप्रेमी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति आकर्षित करना है। युवा प्रतिभाओं में उत्साह, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन में युवाओं की सहभागिता उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। यह खेल महोत्सव क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने और नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर प्रदान करेगा।

जल संचयन का बोरीबंधान सस्ता और प्रभावी उपाय
माई शारदा के धाम में सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं ने किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने समाज से जल सहेजने और संरक्षण करने का आह्वान किया है। जिसके तहत जन अभियान परिषद की प्रेरणा से प्रदेश में जारी जल संचयन अभियान के तहत मैहर विकासखंड में नवांकुर समिति वात्सल्य यूथ दा राइजिंग फाउंडेशन के संयोजन में जल संचयन अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत जल संवाद एवं बोरीबंधान की गतिविधि आयोजित हुई। जिला समन्वयक डॉ राजेश तिवारी, विकासखंड समन्वयक प्रदीप तिवारी एवं नवांकुर संस्था के अध्यक्ष जितेन्द्र त्रिपाठी, सचिव अजय गुप्ता, परामर्शदाता श्रीमती कल्पना सिंह, रोहित द्विवेदी, शिव कुमार पटेल सहित समाज के सीएमसीएलडीपी के छात्र उपस्थित रहे। आयोजित जल संवाद में उपस्थित मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अध्यनरत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू छात्रों द्वारा जल संरक्षण विषय पर चर्चा करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में सभी द्वारा जल संरक्षण की शपथ ली गई एवं कार्यक्रम संपन्न किया गया।

सतना का गौरव, बिहरा निवासी उत्कर्ष सिंह इंडियन कोस्ट गार्ड में असिस्टेंट कमांडेंट चयनित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के बिहरा क्रमांक-1 निवासी उत्कर्ष सिंह ने इंडियन कोस्ट गार्ड (रक्षा मंत्रालय) में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर चयनित होकर सतना जिले का मान बढ़ाया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गाँव में खुशी की लहर दौड़ गई है। उत्कर्ष सिंह के चयन के बाद परिजनों मित्रों और गाँववासियों ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन ने उन्हें यह सम्मानजनक सफलता दिलाई है। घर पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है और हर कोई उनकी उपलब्धि पर खुशी जता रहा है।

उत्कर्ष सिंह बिहरा क्र. 1 की पूर्व सरपंच सुधा सिंह एवं उपयंत्री इंद्रलाल सिंह के सुपुत्र हैं। उनके दादा रामबालक सिंह ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्कर्ष ने पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। परिवार की ओर से बधाई देने वालों में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष कोटर राजभान सिंह, इंद्रभान सिंह प्रवीण सिंह रवीन सिंह प्रगति सिंह असम राइफल्स में सेवारत सौरभ सिंह गौरव सिंह तथा सृष्टि फ्यूल्स टिकुरी परिवार शामिल रहे। सभी ने उत्कर्ष सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वे राष्ट्र सेवा में उत्कृष्ट योगदान देंगे।

महापौर योगेश ताम्रकार ने सड़क हादसे में दिवंगत हुए प्रजापति समाज के पाँच सदस्यों को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में हुए भीषण सड़क हादसे में प्रजापति समाज के पाँच सदस्यों के आकस्मिक निधन से पूरा क्षेत्र शोकाकुल है। इस हृदयविदारक दुर्घटना की जानकारी मिलते ही महापौर योगेश कुमार ताम्रकार बुधवार को बरदाडीह वार्ड क्रमांक 10 पहुँचे जहाँ उन्होंने शोकग्रस्त परिजनों से भेंट कर संवेदना व्यक्त की।

महापौर ताम्रकार ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुर्घटना ने पूरे समाज को गहरे दुख में डुबो दिया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत

आत्माओं की शांति और परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस दौरान नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी नारायण तिवारी समर सिंह और पीयूष सिंह सहित स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से परिजनों के साथ खड़े रहने और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

समाजजन और क्षेत्रवासी लगातार शोक संतप्त परिवारों के घर पहुँचकर संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। जिले में इस हादसे को लेकर गहरा दु:ख व्याप्त है और सभी ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

कलेक्टर को ध्वज लगाकर मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से. नि.) ने रविवार को कलेक्टर निवास पहुंचकर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह को सशस्त्र सेना ध्वज व लेपल पिन लगाया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर को ध्वज लगाकर मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से. नि.) ने रविवार को कलेक्टर निवास पहुंचकर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह को सशस्त्र सेना ध्वज व लेपल पिन लगाया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर मैहर ने किया उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने रविवार को मैहर जिले के रामनगर विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर मैदानी गतिविधियों का जायजा लिया । इस दौरान कलेक्टर ने रामनगर विकासखण्ड में बनाए गये उपार्जन केन्द्रों में बडा इटमा, मसमासी, गंजास और रामनगर का निरीक्षण किया।

रेलवे स्टेशन परिसर पर जेबकतरा पकड़ा गया, यात्रियों ने की पिटाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार रात एक जेबकतरा यात्रियों के हत्थे चढ़ गया। यात्रियों ने उसकी पिटाई कर दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना रेलवे स्टेशन स्थित महामाया होटल के बगल में बने ऑटो स्टैंड पर हुई। एक यात्री बस से उतर रहा था, तभी एक जेब कतरे ने उसकी जेब काटने की कोशिश की। यात्री ने तत्काल उसकी हरकत भांप ली और उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

यात्री द्वारा लोगों को जेब कतरे के बारे में बताने पर मौके पर मौजूद भीड़ भड़क उठी। भीड़ ने आरोपी युवक की करीब आधे घंटे तक पिटाई की, जिसके बाद उसे वहीं छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी बजरहा टोला का रहने

वाला एक शातिर बदमाश है, जो अक्सर स्टेशन के आसपास चोरी की फिराक में रहता है। इस दौरान कई लोगों ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

फिलहाल, इस घटना को लेकर किसी भी पक्ष ने रेलवे पुलिस या कोतवाली में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। आरोपी चोर की पहचान भी नहीं हो सकी है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच करने की बात कह रही है।

12 रुपए बकाया के लिए बिजली कंपनी ने भेजा नोटिस, जबकि उपभोक्ता का बिल बाकी नहीं; इंजीनियर ने मानी गलती

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बिजली कंपनी ने एक उपभोक्ता को मात्र 12 रुपए के बकाया बिल के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस सतना जिले के कोठी बिजली वितरण केंद्र ने भेजा है।

बिजली कंपनी का यह नोटिस सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। जिससे कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। नोटिस में उपभोक्ता को 12 रुपए की बकाया राशि का भुगतान करने का हवाला दिया गया था।

उपभोक्ता पीयूष अग्रवाल ने इस संबंध में बताया कि उनका कोई भी बिजली बिल बकाया नहीं है। उन्होंने कहा कि वे नियमित रूप से अपने बिजली बिल का भुगतान करते आ रहे हैं, और इस तरह का नोटिस जारी होना अपने आप में एक

गंभीर सवाल खड़ा करता है।

इंजीनियर ने कहा- गलती गया नोटिस: इस मामले पर कोठी बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर हेमराज सेन ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्वीकार किया कि उपभोक्ता लगातार बिल जमा कर रहा है और यह नोटिस गलती से उनके पास चला गया था। इंजीनियर ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी गलती न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

सरकारी जमीन पर बना नामी प्रेम नर्सिंग होम बेदखली की प्रक्रिया शुरू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के चर्चित प्रेम नर्सिंग होम पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। जांच में सामने आया है कि यह नर्सिंग होम पूरी तरह सरकारी जमीन पर अवैध रूप से निर्मित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ने बेदखली की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है और संबंधित प्रकरण दर्ज कर लिया है।

राजस्व अभिलेखों की जाँच में स्पष्ट हुआ कि जिस भूमि पर नर्सिंग होम का निर्माण किया गया है वह सरकारी खाते में दर्ज है। इसके बावजूद बिना अनुमति विशाल भवन खड़ा कर व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं।

सूत्रों के अनुसार प्रशासन ने नर्सिंग होम प्रबंधन को नोटिस जारी करते हुए भूमि पर अवैध कब्जे की व्याख्या देने को कहा है। अगले चरण में मौके पर मापन व वास्तविक कब्जे का सत्यापन किया जाएगा।

नगर में इस कार्रवाई की चर्चा तेज है क्योंकि यह नर्सिंग होम वर्षों से संचालित हो रहा था और अब इसके अवैध निर्माण उजागर होने पर सवाल उठ रहे हैं कि यह सब प्रशासनिक निगरानी से कैसे बचा रहा।

फिलहाल सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय ने साफ किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वतंत्रता सेनानी अक्षयवर नाथ तिवारी का निधन, मैहर में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई अंतिम विदाई

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान देने वाले वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी अक्षयवर नाथ तिवारी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से मैहर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। तिवारी का मूल निवास उत्तर प्रदेश के मर्दापुर में था, लेकिन वे लंबे समय तक मैहर के ग्राम पहाड़ी में रहे और यहां के सामाजिक व स्वतंत्रता सेनानी परिवारों से उनका गहरा जुड़ाव रहा।

स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहते हुए उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आवाज़ उठाई। बाद में, 1977 के आपातकाल के दौरान उन्हें मीसा बंदी के तहत 11 माह तक कैद में रखा गया था। इन कठिन परिस्थितियों में भी उनके संघर्ष और सिद्धांतों ने

उन्हें क्षेत्र का सम्मानित सामाजिक व्यक्तित्व बनाया।

उनके निधन पर स्थानीय प्रशासन की ओर से पूर्ण राजकीय सम्मान देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और परिचित उनके अंतिम दर्शन के लिए उपस्थित हुए। तिवारी की देशभक्ति और संघर्ष के प्रसंगों को याद करते हुए लोगों की आंखें नम हो गईं।

परिवारजनों और उपस्थित लोगों की सहमति से उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए उनके पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ प्रयागराज ले जाया गया।

अंतिम विदाई के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से एसडीएम दिव्या पटेल, सीएसपी महेंद्र सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, समाजसेवी रामनिवास उर्मालिया, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल थे।

सभी ने स्वतंत्रता सेनानी तिवारी के पार्थिक शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अक्षयवर नाथ तिवारी का जीवन सादगी, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक रहा। उनके निधन से मैहर क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। लोगों ने कहा कि उनका जाना समाज और आगामी पीढ़ी के लिए अपूरणीय क्षति है, क्योंकि वे स्वतंत्रता संग्राम के उन गिने-चुने योद्धाओं में से थे, जिन्होंने प्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजी शासन की प्रताड़नाएं झेली थीं।

स्व. विष्णुकांत त्रिपाठी की पुण्य स्मृति में श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ का कलश यात्रा व देवपूजन के साथ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय विष्णुकांत त्रिपाठी की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ शनिवार को उनके निज निवास बम्हनगंवा में विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा एवं देव पूजन के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। कलश यात्रा का सर्व समाज द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। श्रीसंकर्षण रामानुज पीठ छोटा स्थान सोहावल के अंतर्गत भागवताचार्य गौकरणाचार्य जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के माहात्म्य का वर्णन करते हुए सप्ताहव्यापी ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ कराया। आयोजन समिति ने बताया कि सात दिवसीय कथा में प्रतिदिन विभिन्न अवतारों और चरित्रों का दिव्य वर्णन किया जाएगा।

कथा का दैनिक कार्यक्रम: रविवार 7 दिसंबर को परीक्षित जन्म, जड़भरत चरित्र, शुकदेव आगमन, कपिलावतार, ध्रुव चरित्र का वर्णन किया जाएगा। सोमवार 8 दिसंबर को प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, समुद्र मंथन की कथा होगी। मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव, बुधवार को गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग, तथा श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का आयोजन रखा गया है। गुरुवार को उद्धव चरित्र और सुदामा चरित्र, शुक्रवार को दत्तात्रेय के 24 गुरुओं की कथा, शुकदेव विदाई, हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न होगी। इसके पश्चात शनिवार 13 दिसंबर को ब्रह्मभोज एवं भंडारा का आयोजन रखा गया है। कथा का मूल परायण प्रतिदिन सुबह 7 से 12 बजे तक तथा प्रवचन दोपहर 3 से 6 बजे तक होंगे। परिवार के सदस्यों आशुतोष अनंत प्रपन्नाचार्य जी एवं समस्त उर्मलिया परिवार ने सभी भक्तों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।